मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 176
गुरुवार, 08 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

सुकमा में नक्सलवाद को बड़ा झटका, 65 लाख के इनामी 13 समेत 26 नक्सलियों ने किया सरेंडर

सुकमा, 07 जनवरी। दक्षिण छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियानों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को सुकमा जिले में 26 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें से 13 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम था। यह आत्मसमर्पण राज्य सरकार की पूना मार्गेम पहल के तहत हुआ, जिसका उद्देश्य सशस्त्र कार्यकताओं को उग्रवाद से दूर करके सामाजिक पुनर्एकीकरण की ओर मार्गदर्शन करना है। सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि इस समूह में सात महिलाएं शामिल थीं, जिन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले कैडर प्रतिबंधित नक्सली संगठन की विभिन्न इकाइयों से जुड़े थे, जिनमें पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन, दक्षिण बस्तर डिवीजन, माद डिवीजन और आंध्र ओडिशा बॉर्डर (एओबी) डिवीजन शामिल हैं। चव्हाण ने बताया वे छत्तीसगढ़ के अबूझमाद और सुकमा क्षेत्रों के साथ-साथ ओडिशा के सीमावर्ती इलाकों में हिंसा की कई घटनाओं में शामिल थे। उन्होंने आगे कहा कि लंबे समय तक कठिनाइयों का सामना करने और संगठन के भीतर आंतरिक असंतोष ने भी उनके आत्मसमर्पण के निर्णय में योगदान दिया।

हथियार डालने वालों में सबसे प्रमुख लाली उर्फ मुचाकी आयते लखमू (35) थी, जो कंपनी पार्टी कमेटी की सदस्य थी और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम था। उस पर कई बड़े हमलों में शामिल होने का आरोप है, जिनमें 2017 में ओडिशा के कोरापुट रोड पर हुआ आईईडी विस्फोट भी शामिल है, जिसमें 14 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे। चार अन्य प्रमुख नक्सली कैडरों हेमला लखमा (41), आसमिता उर्फ कमलू सन्नी (20), रामबती उर्फ पदम जोगी (21) और सुंदरम पाले (20) पर 8 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने बताया कि हेमला लखमा 2020 में सुकमा जिले के मिनपा में हुए हमले में शामिल थी, जिसमें 17 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। आत्मसमर्पण करने वाले कई अन्य कैडर भी सुरक्षा बलों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर की गई हिंसक घटनाओं से जुड़े थे।

कांग्रेस हो या एआईएमआईएम, गठबंधन मंजूर नहीं, सीएम फडणवीस ने अपने ही नेताओं को दे दी चेतावनी

मुंबई, 07 जनवरी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार (7 जनवरी) को कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से साफ इनकार करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिए गए फैसले को सुधारा जाएगा। यह स्पष्टीकरण अंबरनाथ नगर परिषद में हुए एक चौंकाने वाले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद आया है, जहां भाजपा और कांग्रेस ने कथित तौर पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को सत्ता में आने से रोकने के लिए हाथ मिला लिया था। इस कदम से राज्य में राजनीतिक तनाव काफी बढ़ गया है। फडणवीस ने कहा कांग्रेस के साथ गठबंधन स्वीकार्य नहीं है। अंबरनाथ में स्थानीय स्तर पर लिया गया निर्णय बदला जाएगा; कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। ठाणे जिले में मुंबई से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित अंबरनाथ में भाजपा के कांग्रेस-

मुक्त भारत के लंबे समय से चले आ रहे अभियान के बावजूद अप्रत्याशित गठबंधन देखने को मिला। इस गठबंधन का उद्देश्य शिवसेना के शिंदे गुट को सत्ता से बाहर रखना था। भाजपा-कांग्रेस के इस गठबंधन ने राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा कर दी हैं और महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य में काफी बहस छेड़ दी है, जिससे स्थानीय स्तर की चुनावी राजनीति की जटिलताएं उजागर होती हैं। इस गठबंधन को अंबरनाथ विकास अघाड़ी नाम दिया गया है। हालांकि, इन घटनाक्रमों से शिवसेना के शिंदे गुट में काफी असंतोष फैल गया है। भाजपा-कांग्रेस गठबंधन के बाद शिंदे गुट बेहद उग्र है। शिवसेना के शिंदे गुट ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए इस गठबंधन को अपवित्र गठबंधन करार दिया है। शिवसेना विधायक बालाजी किनिकर ने कांग्रेस-मुक्त भारत की बात करने वाली भाजपा पर शिवसेना पर हमला करने के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन करने का आरोप लगाया है।

बेंगलुरु में अपहरण के बाद छह साल की बच्ची की हत्या

बेंगलुरु। बेंगलुरु के पूर्वी हिस्से में स्थित व्हाइटफील्ड इलाके के पास छह साल की बच्ची का अपहरण कर उसकी हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की बेटी थी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के पिता ने बेटी के पांच जनवरी की दोपहर से लापता होने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई और उसने नजदीक ही रह रहे पश्चिम बंगाल के एक मजदूर की संलिप्तता का संदेह जताया।

पीड़िता के पिता ने बताया कि उसे उक्त व्यक्ति पर संदेह है क्योंकि जहां पर बच्ची खेल रही थी वहां पर उसे देखा गया था। पुलिस को मिली शिकायत के मुताबिक बेटी के लापता होने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की और बाद में पुलिस को इसकी सूचना दी। बच्ची का शव बाद में पट्टंदूर अग्रहारा के पास एक सूखे नाले में मिला।

पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि बच्ची की गला दबाकर हत्या की गई। पुलिस के अनुसार यौन उत्पीड़न के संकेत नहीं मिले हैं। पुलिस ने बताया कि हत्या के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। परिवार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है और संदिग्ध को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

रेस्तरां में आग की घटनाओं को रोकने के लिए प्राधिकारी कार्ययोजना तैयार करें : दिल्ली हाईकोर्ट

दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय राजधानी के होटल, क्लब और रेस्तरां में आग और अन्य घटनाओं से बचने के सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करें।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने इस तथ्य पर संज्ञान लिया कि याचिकाकर्ता ने अधिकारियों से संपर्क किए बिना अदालत का रुख किया। पीठ ने इसी के साथ याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वह अधिकारियों को एक अभ्यावेदन दे।

अदालत ने अधिकारियों से राष्ट्रीय राजधानी के होटल, क्लबों और रेस्तरां में अग्नि सुरक्षा सहित सुरक्षा ऑडिट कराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर भी विचार करने को कहा।पीठ ने कहा, रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह ज्ञात हो कि इस अदालत में आने से पहले याचिकाकर्ता ने अधिकारियों से संपर्क किया था। हम इस रिट याचिका का निस्तारण इस निर्देश के साथ करते हैं कि इसे अधिकारियों को प्रस्तुत अभ्यावेदन के रूप में माना जाए। पीठ ने अधिकारियों से इस निवेदन पर विचार करने और नियमों एवं कानूनों के अनुसार शीघ्रता से उचित निर्णय लेने को कहा।

कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. नरेंद्र कुमार का चुनाव प्रचार वार्ड-5 के लिए हो रहा है ऐतिहासिक

मुंबई। मुम्बई महानगरपालिका चुनाव में दहिसर, वार्ड क्रमांक-5 के कॉग्रेस तथा मित्र पक्षों के लोकप्रिय उम्मीदवार डॉ. नरेंद्र कुमार के जबरदस्त रणनीतिक चुनाव-प्रचार को स्थानीय जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। जिससे प्रत्याशी डॉ. नरेंद्र कुमार के साथ-साथ कार्यकर्ता भी भारी जोश में है और यहां का किला फतह करने के लिए भरपूर जोर लगा रहे हैं।वार्ड क्रमांक-5 के योजनाबद्ध विकास और जन-सुविधाएं दिलाने का जोश लिए अपने भव्य चुनाव प्रचार अभियान की कड़ी में डॉ. नरेंद्र कुमार ने अपने व मित्र पक्षों के कार्यकताओं की मजबूत टीम के साथ बुधवार को आदिनाथ टॉवर, हिना कैसल, सोसाइटी , साई आशीष, नंदधाम पैलेस, अंकुश, उमंग, दत्तात्रय टॉवर, शंकर टेलर चाल, सावरकर नगर, संत ज्ञानेश्वर मार्ग , उपहार बंगलो और बैतुल्लाह चाल हाय-वे , दहिसर-पूर्व में जबरदस्त प्रचार किया और डोर-टू-डोर नागरिकों से संवाद स्थापित किया।

इस चुनाव-प्रचार अभियान में भारी संख्या में कॉग्रेस और मित्र पक्षों के जुझारू कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक उनके साथ उपस्थित रहे।

राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान को लेकर पीएम मोदी को घेरा

नई दिल्ली, 07 जनवरी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की गई टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में बुधवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि फर्क समझो, सर जी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने पिछले साल जून में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान से संबंधित एक कार्यक्रम में दिए गए अपने भाषण का एक अंश साझा किया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी, ट्रंप के एक फोन से उनके सामने झुक गए तथा नरेन्दर, सरेंडर कर गए।

उस भाषण में राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि कांग्रेस तथा उसके नेताओं ने महाशक्तियों के सामने कभी सरेंडर नहीं किया, लेकिन थोड़े से दबाव के आगे झुक जाना ही भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल स्वभाव है।

कांग्रेस नेता ने बुधवार को अपने इस भाषण से संबंधित वीडियो एक्स पर साझा करते हुए पोस्ट किया, फर्क समझो, सर जी। दरअसल, ट्रंप ने भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत के टैरिफ (शुल्क) को लेकर हाल के दिनों में कई ऐसी टिप्पणियां की हैं जो सरकार को असहज करने वाली हैं।

फर्जी खातों और टेरर फंडिंग के नेटवर्क पर जम्मू-कश्मीर पुलिस का कड़ा प्र्रहार

कश्मीर, 07 जनवरी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को साइबर आतंकी मामले की जांच के तहत घाटी में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की खुफिया रोधी शाखा (सीआईके) ने फर्जी खातों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की है, पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी और आतंकी वित्तपोषण को बढ़ावा देने वाले ऐसे खातों पर शिकंजा कस दिया है। उन्होंने बताया कि साइबर आतंकी मामले की जांच के तहत सीआईके ने कश्मीर घाटी में 22 स्थानों पर छापेमारी की, जिनमें श्रीनगर शहर के 15 स्थान शामिल हैं।

साइबर आतंकी मामले की जांच के तहत 22 जगहों पर रेड

कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद किया गया यह ऑपरेशन कई ज़िलों, श्रीनगर, बडगाम, शोपियां और कुलगाम तक फैला हुआ था, जो सामान्य डिजिटल लेन-देन की आड़ में चल रहे एक गुप्त मनी-मूवमेंट नेटवर्क को खत्म करने के लिए पूरी घाटी में किए जा रहे प्रयास का संकेत देता है। जांचकताओं ने संदिग्ध फर्जी बैंक खातों के एक नेटवर्क को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर साइबर फ्रॉड और ऑनलाइन घोटालों से मिले पैसे को ठिकाने लगाने और अवैध फंड को आतंकी नेटवर्क तक पहुंचाने के लिए किया जाता था।

छापों के दौरान, अधिकारियों ने मोबाइल फोन, लैपटॉप और स्टोरेज डिवाइस सहित डिजिटल डिवाइस, साथ ही वित्तीय दस्तावेज जब्त किए, जिनके बारे में माना जाता है कि उनमें नेटवर्क के संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण सबूत हैं। यह कार्रवाई उक्ङ के टेरर फाइनेंसिंग और भर्ती मॉड्यूल को खत्म करने के तेज प्रयासों का हिस्सा है। इससे पहले, 16 दिसंबर, 2025 को, उक्ङ ने सात ज़िलों, श्रीनगर, पुलवामा, बारामूला, कुलगाम, शोपियां, बडगाम और अनंतनाग में 12 जगहों पर छापे मारे थे, ताकि आतंकवाद के ऑनलाइन महिमामंडन पर केंद्रित एक आतंकी भर्ती मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया जा सके। जांचकताओं ने उन व्यक्तियों को भी निशाना बनाया है जिन पर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए मानवाधिकार वकालत प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने का संदेह है। यह नवीनतम ऑपरेशन हाइब्रिड खतरों पर उक्ङ के बढ़ते फोकस को दिखाता है जो साइबर अपराध को आतंकवाद के साथ मिलाते हैं, जो जम्मू और कश्मीर में बढ़ते डिजिटल कट्टरपंथ के बीच एक बढ़ती चिंता का विषय है।

अवैध कब्जे और बेघर होता भारतः एक अंतहीन राष्ट्रीय संकट

-ललित गर्ग

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की समस्या भारत में न तो नई है और न ही किसी एक क्षेत्र तक सीमित। यह एक ऐसी जटिल और बहुआयामी चुनौती है, जो शहरीकरण, पलायन, राजनीतिक स्वार्थ, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक मजबूरियों के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने आती है। देश के लगभग हर राज्य, हर बड़े शहर और अनेक कस्बों में सरकारी जमीन पर मकान, दुकानें, झुग्गियां, गोदाम, यहां तक कि बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान खड़े मिल जाते हैं। वर्षों तक यह सब कुछ खुलेआम होता रहता है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र या तो आंखें मूंदे रहता है या जानबूझकर चुप्पी साधे रहता है। जब अचानक विकास परियोजनाओं, सड़क चौड़ीकरण, रेलवे, मेट्रो, औद्योगिक गलियारों या स्मार्ट सिटी योजनाओं की जरूरत सामने आती है, तब सरकार की नींद खुलती है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ा संकट उन लोगों पर टूटता है, जो वर्षों से वहां रह रहे होते हैं और जिनका जीवन, आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य उसी जमीन से जुड़ चुका होता है। हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क जैसे संगठनों के आंकड़े इस समस्या की भयावहता को उजागर करते हैं। वर्ष 2017 से 2023 के बीच साढ़े तीन लाख से अधिक मकानों पर बुलडोजर चलाए गए और करीब सोलह लाख लोग बेघर हुए। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में लगभग 1.7 करोड़

लोग ऐसे दायरे में हैं, जिनके घर विकास परियोजनाओं या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कारण टूट सकते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्होंने अपनी जीवनभर की पूंजी लगाकर घर बनाए, बच्चों को स्कूल में डाला, आसपास रोजगार तलाशा और एक स्थायी जीवन की कल्पना की। जब ये घर टूटते हैं तो केवल दीवारें नहीं गिरतीं, बल्कि पूरे परिवार की सामाजिक और आर्थिक संरचना ढह जाती है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रायः एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता है। पुनर्वास योजनाएं कागजों पर तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे या तो अधूरी होती हैं या इतनी दूरस्थ जगहों पर लागू की जाती हैं कि वहां रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता है। इस पूरी समस्या का एक कड़वा सच यह भी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एक दिन या एक रात में नहीं हो जाता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें प्रशासनिक उदासीनता, स्थानीय स्तर पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका होती है। जब गांवों से पलायन कर गरीब परिवार शहरों की ओर आते हैं, तो उन्हें सबसे पहले सस्ती या खाली जमीन की तलाश होती है। सरकारी जमीन इस दृष्टि से सबसे आसान निशाना बनती है। पहले अस्थायी झोपड़ियां खड़ी होती हैं, फिर धीरे-धीरे पक्के मकान, दुकानें और अन्य निर्माण होने लगते हैं। सरकारी एजेंसियां एवं जिम्मेदार तो तब ही हरकत में आते हैं जब या तो कोई हादसा होता है या फिर विकास कार्यों के दौर में इन्हें हटाने की जरूरत पड़ती है। महज सात साल में 16 लाख लोगों के बेघर होने का आंकड़ा छोटा नहीं है। इनमें भी 58 प्रतिशत से ज्यादा के बेघर होने की वजह अतिक्रमण ही है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों की मिलीभगत से अनदेखी होती है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। बिजली, पानी, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसी सुविधाएं भी किसी न किसी रास्ते से मिल जाती हैं, जिससे यह अतिक्रमण धीरे-धीरे ह्ववैधताह्व का भ्रम पैदा करने लगता है।

इस पूरी प्रक्रिया में भू-माफिया की भूमिका भी बेहद खतरनाक है। वे सरकारी जमीनों की पहचान कर गरीबों को वहां बसाते हैं, उनसे पैसे वसूलते हैं और बाद में राजनीतिक संरक्षण के जरिए उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखते हैं। चुनाव आते ही ये बस्तियां वोट बैंक में बदल जाती हैं। इस राजनीतिक खेल में न तो कानून की प्रतिष्ठा बचती है और न ही आम नागरिकों का भविष्य सुरक्षित रहता है। अतिक्रमण हटाने के बाद होने वाले नुकसान को यदि समग्र रूप से देखा जाए तो यह केवल प्रभावित परिवारों का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे देश का नुकसान है। एक ओर लोग अपने सीमित संसाधनों से घर बनाते हैं, दूसरी ओर सरकार अतिक्रमण हटाने पर भारी खर्च करती है। यदि शुरूआत में ही सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, समय पर निगरानी हो और अवैध कब्जे को बढ़ने से रोका जाए, तो यह दोहरा नुकसान टाला जा सकता है। दुर्भाग्य से हमारे यहां किसी परियोजना की घोषणा और उसके क्रियान्वयन के बीच लंबा अंतराल रहता है, जिसका फायदा अतिक्रमणकारी उठाते हैं। वर्षों तक जमीन खाली पड़ी रहती है और देखते ही देखते वहां एक पूरी बस्ती खड़ी हो जाती है।

विकास के लिए कई बार राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विध्वंस की कार्रवाई जरूरी हो जाती है। लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए केवल बुलडोजर चलाना पर्याप्त नहीं है। जरूरत एक ऐसी दूरदर्शी नीति की है, जिसमें अतिक्रमण रोकने की व्यवस्था शुरूआत से ही सख्त और प्रभावी हो। सरकारी जमीनों का डिजिटल रिकॉर्ड, नियमित सर्वेक्षण, स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई इस दिशा में जरूरी कदम हो सकते हैं। साथ ही शहरी गरीबों के लिए सस्ती आवास योजनाओं को वास्तविक जरूरतों के अनुरूप और रोजगार के करीब लागू करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे मजबूरी में अवैध कब्जे की ओर न जाएं। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर ईमानदार आत्ममंथन करना होगा। वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध अतिक्रमण को संरक्षण देना अंततः समाज और शासन दोनों के लिए घातक सिद्ध होता है। यदि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से हो और अवैध कब्जे को किसी भी स्तर पर समर्थन न मिले, तो ऐसी स्थितियां स्वतः कम होंगी। सरकारी भूमि जनता की साझा संपत्ति है और इसका उपयोग योजनाबद्ध विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए होना चाहिए, न कि अव्यवस्था और अवैध कब्जों के लिए। अंततः सवाल यही है कि क्या हम समस्या के मूल कारणों पर गंभीरता से विचार करेंगे या हर बार बुलडोजर के बाद कुछ दिनों की संवेदना दिखाकर आगे बढ़ जाएंगे। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो आने वाले वर्षों में बेघर होने वालों की संख्या और बढ़ेगी, सामाजिक असंतोष गहराएगा और विकास का दावा खोखला साबित होगा। जरूरत इस बात की है कि सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल और समाज मिलकर इस जटिल समस्या का मानवीय, न्यायपूर्ण और दूरगामी समाधान तलाशें, ताकि विकास भी हो और किसी का जीवन उजड़ने से भी बच सके। समुचित देश एवं विभिन्न प्रांतो में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके लोगों ने न केवल अपने मकान बने कुछ भी खड़े कर लिए हैं कुछ व्यापारिक संस्थान और कुछ संस्थाएं भी संचालित हो रही है जब सरकार की नींद खुलती है तो इन सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करके बनाए गए मकान में रहने वाले लोगों को बेघर किया जाता है या उन्हें अन्यत्र बसाने की योजनाएं लागू की जाती है जिससे इन परिवारों और उनके सदस्यों की न केवल बेघर होने की समस्या खड़ी होती है बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं भी खड़ी होती है इन गतिविधियों को संचालित करने में विभिन्न राजनीतिक दलों को अपना वोट वोट बैंक दिखाई देता है और यह राजनीतिक दल ही ऐसी सरकारी भूमि पर लोगों को बचाने के षड्यंत्र करते हैं फिर उन्हें विस्थापित होने पर आंदोलन खड़े किए जाते हैं और अन्यत्र बसाने की मांग की जाती है यह भारत की एक जटिल समस्या है। क्यों नहीं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा होने की स्थितियों को सरकार पहले से ही गंभीरता से लेती?

माघ मेलाः संगम की रेती पर सनातन चेतना का जीवंत उत्सव

-सुरेश गांधी

माघ मेला भारतीय संस्कृति का वह जीवंत अध्याय है, जहां आस्था, साधना, तप, त्याग और सामाजिक समरसता एक साथ प्रवाहित होती हैं। यह केवल अस्थायी तंबुओं और श्रद्धालुओं की भीड़ का आयोजन नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की जीवित प्रयोगशाला है। पुराणों में माघ मास को ह्वदेव मासह्व कहा गया है, वह कालखंड, जब देवताओं का पृथ्वी पर आगमन माना जाता है और प्रयागराज का त्रिवेणी संगम स्वयं स्वर्ग का प्रतिबिंब बन जाता है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला माघ मेला, गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम तट पर भारतीय आत्मा के शाश्वत विश्वास का मूर्त रूप होता है। यही कारण है कि यह मेला सदियों से न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र रहा है, बल्कि सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक निरंतरता और आध्यात्मिक अनुशासन का भी प्रतीक बन चुका है। हिंदू धर्म के अनुसार माघ मास को अत्यंत पवित्र और पुण्यदायी माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि इस मास में किया गया स्नान, दान, जप और तप सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक फलदायी होता है। स्कंद पुराण, पद्म पुराण और महाभारत में प्रयाग को तीर्थराज प्रयाग कहा गया है और यह उल्लेख मिलता है कि माघ मास में प्रयाग में स्नान करने का पुण्य अन्य सभी तीर्थों से श्रेष्ठ है। मान्यता है कि माघ मास में देवता स्वयं पृथ्वी पर आकर संगम में स्नान करते हैं। इसी कारण प्रयागराज को देवनगरी और संगम नगरी कहा जाता है। माघ मेले के दौरान संगम तट पर प्रवाहित होने वाली श्रद्धा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि की यात्रा होती है, जहां व्यक्ति अपने अहंकार, पाप और सांसारिक बंधनों से मुक्त होने का प्रयास करता है।

माघ मेला 2026: तिथि, अवधि और व्यापक स्वरूप

वर्ष 2026 में माघ मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक आयोजित है। यह मेला पौष पूर्णिमा के पावन स्नान से आरंभ होकर महाशिवरात्रि के साथ संपन्न होगा। लगभग डेढ़ माह तक चलने वाला यह आयोजन लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं, साधु-संतों और कल्पवासियों को एक सूत्र में पिरोता है। महाकुंभ 2025 के ऐतिहासिक आयोजन के बाद माघ मेला 2026, उस निरंतर परंपरा का प्रतीक है जो बताती है कि प्रयाग में आस्था कभी विराम नहीं लेती। यहाँ हर वर्ष, हर मौसम में, हर काल में संगम मानव और दिव्यता के संवाद का साक्षी रहता है।

त्रिवेणी संगमः जहां नदियाँ नहीं, आस्थाएं मिलती हैं

त्रिवेणी संगमः गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का संगम, भारतीय आध्यात्मिक भूगोल का सबसे पवित्र केंद्र माना जाता है। गंगा को जीवनदायिनी, यमुना को करुणा और सरस्वती को ज्ञान की प्रतीक माना गया है। इन तीनों का संगम, जीवन, भक्ति और ज्ञान के संतुलन का प्रतीक बन जाता है। माघ मेले के दौरान संगम तट पर उमड़ने वाली भीड़ केवल स्नान के लिए नहीं आती, बल्कि अपने भीतर की अशुद्धियों को धोने, जीवन को पुनः अनुशासित करने और आत्मिक शांति पाने की आकांक्षा लेकर आती है।

भारत की आत्मा जब स्वयं को पहचानती है, तो वह प्रयागराज की ओर बह निकलती है। त्रिवेणी संगम की रेती पर हर वर्ष लगने वाला माघ मेला केवल श्रद्धालुओं की भीड़ या तंबुओं का अस्थायी नगर नहीं होता, बल्कि यह सनातन चेतना का वह उत्सव है, जहाँ आस्था, संयम और साधना एक साथ सांस लेते हैं। माघ मास को शास्त्रों में ह्वदेव मासह्व कहा गया है, वह समय, जब मान्यता है कि देवता भी पृथ्वी पर उतरकर संगम में स्नान करते हैं। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर की गई एक डुबकी केवल शरीर को नहीं, आत्मा को भी धोती है। यही कारण है कि माघ मेले में आने वाला हर श्रद्धालु अपने साथ केवल वस्त्र नहीं, बल्कि अपने पाप, पीड़ा और प्रश्न भी लेकर आता है। यहाँ मौन भी बोलता है, तपस्या भी संवाद करती है और साधारण मनुष्य भी एक क्षण के लिए स्वयं को विराट परंपरा का हिस्सा महसूस करता है। माघ मेला 2026 उसी अविरल परंपरा की कड़ी है, जो यह याद दिलाती है कि आधुनिकता की तेज रफ्तार में भी भारत की आत्मा आज भी संगम की ओर झुककर प्रणाम करती है, क्योंकि यहीं से शुद्धि, शांति और संतुलन का मार्ग निकलता

प्रमुख स्नान पर्वः माघ मेले की आत्मा

माघ मेला 2026 में कई प्रमुख स्नान पर्व होंगे, जिनका धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व अत्यंत विशिष्ट हैः- पौष पूर्णिमाः 3 जनवरी 2026 (शनिवार) माघ मेले का शुभारंभ। यह दिन एक माह की तपस्या और कल्पवास के संकल्प का प्रतीक है।

मकर संक्रांतिः 14 जनवरी 2026 (बुधवार) सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का पर्व, जब गंगा स्नान का विशेष पुण्य माना जाता है।

मौनी अमावस्याः 18 जनवरी 2026 (रविवार) माघ मेले का सबसे पवित्र और भीड़भाड़ वाला स्नान। मौन रखकर किया गया स्नान मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है।

बसंत पंचमीः 23 जनवरी 2026 (शुक्रवार) ज्ञान, कला और विद्या की देवी सरस्वती की आराधना का दिन।

माघी पूर्णिमाः 1 फरवरी 2026 (रविवार) पूर्णिमा स्नान, दान और व्रत का विशेष महत्व।

महाशिवरात्रिः 15 फरवरी 2026 (रविवार) माघ मेले का समापन, शिव-भक्ति और वैराग्य का पर्व।

पौष पूर्णिमा 2026ः माघ मेले की पहली डुबकी

पंचांग के अनुसार पौष पूर्णिमा का आरंभ 2 जनवरी 2026 को शाम 6:53 बजे और समापन 3 जनवरी को दोपहर 3:32 बजे होगा। इसी दिन से माघ मेले का औपचारिक शुभारंभ माना जाता है। ब्रह्म मुहूर्तः सुबह 5:25 से 6:20 बजे, अभिजित मुहूर्तः दोपहर 12:05 से 12:46 बजे, इन मुहूर्तों में किया गया स्नान-दान विशेष पुण्य प्रदान करता है।

मौनी अमावस्याः मौन, मनन और मोक्ष

माघ मेले का सबसे महत्वपूर्ण स्नान मौनी अमावस्या को माना जाता है। वर्ष 2026 में यह स्नान 18 जनवरी को होगा। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन मौन रहकर संगम में स्नान करने से व्यक्ति के पाप नष्ट होते हैं, मानसिक शांति प्राप्त होती है और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। इस दिन संगम तट पर श्रद्धालुओं की संख्या अपने चरम पर होती है। प्रशासन, साधु-संत और स्वयंसेवी संगठन मिलकर इस महास्नान को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने में जुटते हैं।

ब्रह्म मुहूर्तः स्नान का सर्वोत्तम समय

हिंदू धर्म में स्नान-दान और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए ब्रह्म मुहूर्त को सर्वोत्तम माना गया है। सामान्यतः यह समय सुबह 4:00 से 5:30 बजे तक रहता है। इस काल में संगम में स्नान करने से स्नान का फल कई गुना बढ़ जाता है।

कल्पवासः तप, संयम और साधना की जीवनशैली

माघ मेले की सबसे विशिष्ट परंपरा है कल्पवास। यह केवल तंबू में रहना नहीं, बल्कि जीवन को तपस्या में ढालने की प्रक्रिया है। कल्पवासी संगम की रेती पर एक माह या उससे अधिक समय तक रहकर संयम, साधना और अनुशासन का पालन करते हैं।

कल्पवास की प्रमुख विशेषताएँ

दिन में केवल एक बार भोजन

तीन बार स्नानकृभोर, दोपहर और संध्या

प्रभु भक्ति, जप, ध्यान और सत्संग

शास्त्रों के अनुसार कल्पवास की न्यूनतम अवधि एक रात्रि हो सकती है, जबकि 3 रात्रि, 3 महीने, 6 महीने, 6 वर्ष, 12 वर्ष या आजीवन कल्पवास का भी विधान है।

गंगा स्नान के नियमः आचरण ही असली शुद्धि

गंगा स्नान के दौरान 5, 7, 10 या 11 डुबकी लगाना शुभ माना गया है। स्नान से पहले शरीर की स्वच्छता रखें, क्योंकि गंगा मन का मैल धोती है, शरीर का नहीं। स्नान के समय मन को शांत रखें, किसी के प्रति द्वेष न रखें। स्नान के बाद दान-पुण्य अवश्य करें। गंगा की स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखना हर श्रद्धालु का कर्तव्य है।

प्रयागराजः तीर्थराज की अविरल परंपरा

प्रयागराज केवल एक शहर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता का जीवंत तीर्थ है। कुंभ, अर्धकुंभ, माघ मेला, ये सभी आयोजन इस बात के प्रमाण हैं कि यहाँ आस्था कभी समाप्त नहीं होती। महाकुंभ 2025 में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की सहभागिता ने इसे दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम बना दिया। यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त कुंभ परंपरा का विस्तार ही माघ मेला है संक्षिप्त, पर उतना ही पवित्र।

आस्था का अनवरत प्रवाह

माघ मेला 2026 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा की निरंतर यात्रा है। यह मेला सिखाता है कि आधुनिकता के शोर में भी साधना, संयम और सामूहिक आस्था का महत्व कम नहीं हुआ है। त्रिवेणी संगम के तट पर हर डुबकी, हर मंत्र और हर मौन क्षण इस बात का साक्ष्य है कि सनातन परंपरा आज भी उतनी ही जीवंत है, जितनी सहस्त्राब्दियों पहले थी। माघ मेला, वास्तव में, भारत की आत्मा का उत्सव है।

बंगलादेशी खिलाड़ी के बहाने अभिनेता शाहरुख खान के विरोध का स्तर व औचित्य?

-निर्मल रानी

भारतीय गोदी मीडिया ने पिछले दिनों बहस के लिये जिस सबसे 'ज्वलंत' मुद्दे को बहस के लिये जरूरी समझा वह था आई पी एल की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (ङफ) में एक बांग्लादेशी खिलाड़ी के खरीदने पर शाहरुख का विरोध और इस पर चर्चा करना। गौरतलब है कि बंगलादेश में छात्रों और जनता के भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना की सरकार 5 अगस्त 2024 को गिर गई थी और उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था साथ ही वे बंगलादेश छोड़कर भारत आ गयी थीं। उसी समय से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक विरोधी हिंसा व प्रदर्शन लगातार हो रहे हैं। कई हिन्दुओं को लक्षित कर जान से मारा जा चुका है। ऐसे में भारतीयों में बंगला देश के विरुद्ध गुस्सा स्वाभाविक है। इसी बीच प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी इंडियन प्रीमियर लीग (आई पी एल) की विभिन्न टीमों ने अनेक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को बोली लगाकर खरीदा। ऐसा ही एक बांग्लादेशी तेज गेंदबाज था मुस्तफिजुर रहमान। इस बांग्लादेशी खिलाड़ी को कोलकाता नाइट राइडर्स ने IPL 2026 की नीलामी में रिकार्ड 9.2 करोड़ रुपये की बोली लगाकर खरीदा था। यह IPL इतिहास में किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी की सबसे ऊंची बोली थी। कोलकाता नाइट राइडर्स अथवा KKR के मुख्य रूप से जो तीन लोग मालिक हैं उनके नाम हैं बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अभिनेत्री जूही चावला और उनके पति जय मेहता। गोया यह तीनों ही ङफटीम के सह-मालिक हैं।

परन्तु बी सी सी आई की मर्जी से इस बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान का नाम नीलामी पूल में शामिल किये जाने के बावजूद तथा शाहरुख के साथ साथ जूही चावला और उनके पति जय मेहता के पास भी ङफ का स्वामित्व होने के बावजूद साम्प्रदायिकता में ही प्रसिद्धि तलाशने वाले कुछ पेशेवर किस्म के सम्प्रदायकतावादियों द्वारा अपने निशाने पर केवल शाहरुख खान को ही लिया गया। हालांकि इस सम्बन्ध में आने वाली ताजा खबरों के अनुसार अब बीसीसीआई ने के आर के को बांग्लादेश के इस तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से अलग करने व इसके बदले किसी दूसरे खिलाड़ी को रखने की अनुमति दे दी है। परन्तु इस विषय पर बी सी सी आई ,जूही चावला व जय मेहता को छोड़कर केवल शाहरुख खान के विरोध में इस्तेमाल किये गये शब्दों व उसके पीछे छुपे इरादों ने न केवल एक बार फिर सम्प्रदायवाद आधारित एक बहस को जन्म दे दिया है बल्कि इसी बहाने सोशल मीडिया पर शाह रुख व निहायत ही घटिया शब्दों में उनकी आलोचना करने वालों की पारिवारिक पृष्ठभूमि व देश के प्रति उनके योगदान व कुर्बानियों की भी तुलनात्मक चर्चा की जाने लगी है।

शाहरुख को किसी ने ₹गद्दार₹ कहा तो किसी ने देशद्रोही बताया जबकि कुछ लोगों ने आई पी एल में ङफ बॉयकॉट की बात की। इस विरोध का कारण केवल यही था कि शाहरुख खान मुस्लिम हैं और बंगलादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान भी मुस्लिम हैं। जबकि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना इन दिनों भारत में पनाह लिये हुये हैं। किसी 'स्वयंभू राष्ट्रवादी 'को कोई आपत्ति नहीं है। पिछले दिनों बांग्लादेश के इस बिगड़े हिंसक साम्प्रदायिक माहौल के बीच पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की मृत्यु पर विदेश मंत्री ने शिरकत की और भारत बांग्लादेश संबंधों को सामान्य बनाने का सन्देश दिया। न किसी 'धर्मात्मा' को बुरा लगा न किसी 'राष्ट्रवादी नेता ' को। इन्हें बस सबसे बड़ा अपराधी यदि कोई नजर आया तो वह शाहरुख खान? वह शाहरुख खान जो सैकड़ों करोड़ आयकर का प्रतिवर्ष भुगतान कर देश की अर्थव्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। उन्हें उनके लंबे और शानदार फिल्मी कैरियर में कई प्रमुख राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मान और पुरस्कार मिल चुके हैं। वे बॉलीवुड के सबसे सफल अभिनेताओं में से एक हैं और उन्होंने 15 फिल्म फेयर अवॉर्ड्स सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं। शाहरुख को 2025 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिल चुका है। यह उनका पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार है। इसके अलावा उन्हें कई स्क्रीन अवॉर्ड्स, जी सिने अवॉर्ड्स, IIFA अवॉर्ड्स और प्रोड्यूसर्स गिल्ड अवॉर्ड्स हासिल हो चुके हैं।

भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए उन्हें देश का सर्व प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार 2005 में भारत सरकार द्वारा दिया जा चुका है। इसी तरह 2007 में फ्रांस सरकार द्वारा ऑर्ड्रे दे आर्ट्स एट दे लेटर्स अवार्ड मिला जबकि 2014 में फ्रांस की सबसे ऊँचा नागरिक सम्मान लीजन ऑफ ऑनर भी मिल चुका है। उन्होंने 2018 में विश्व आर्थिक मंच द्वारा महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के लिए नेतृत्व करने हेतु क्रिस्टल अवॉर्ड प्राप्त किया। जबकि 2011 में बच्चों की शिक्षा के लिए दान कार्य हेतु यूनेस्को का पिरामाइड कॉन मार्नी अवॉर्ड हासिल किया। शाहरुख खान को एडिनबरा यूनिवर्सिटी, बेडफोर्डशायर यूनिवर्सिटी, ला ट्रोब यूनिवर्सिटी आदि से डॉक्टरेट की कई मानद मिल चुकी हैं। इसी तरह 2024 में उन्हें लोकर्नो फिल्म फेस्टिवल (स्विट्जरलैंड) पार्डो आला कारिएरा का लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड हासिल हो चुका है।

शाहरुख खान ने 2013 में मीर फाउन्डेशन के नाम से एक गैर - लाभकारी समाज सेवी संस्था गठित की हुई है। जिसके माध्यम से वे एसिड अटैक सर्वाइवर्स, शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा राहत,पुनर्वास और व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी कई सामाजिक सेवाओं में सक्रिय योगदान देते रहते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि वे इस काम के लिये खामोशी से और बिना किसी प्रचार व दिखावे के दान करते हैं। उनकी ये सेवाएँ महिलाओं सशक्तिकरण और बच्चों के कल्याण पर केंद्रित हैं। इसी मीर फाउंडेशन ने पंजाब बाढ़ में हजारों बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत किट्स, भोजन, स्वच्छ पानी आदि मुहैया कराया और सैकड़ों क्षतिग्रस्त मकानों के पुनर्निर्माण में अपना सहयोग दिया। उनके द्वारा COVID-19 के दौरान स्वास्थ्य उपकरण दान किए गए। केरल व चेन्नई की बाढ़ में आर्थिक सहायता दी गई । शाहरुख खान नानावती अस्पताल में अपनी मां के नाम पर कैंसर विभाग चलाते हैं तथा बच्चों के कुपोषण के खिलाफ अभियान चलाते हैं। बाल साक्षरता और अस्पताल निर्माण में सहयोग करते हैं। वे मेक-ए-विश फाउंडेशन संस्था के माध्यम से बच्चों की इच्छाएं भी पूरी करते हैं।

जहाँ तक शाहरुख खान को गद्दार या देशद्रोही कहने का प्रश्न है तो ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने वाले जहरीले लोगों को अपने पारिवारिक संस्कारों की तुलना भी शाहरुख खान के पारिवारिक संस्कारों से जरूर करनी चाहिये। गौरतलब है कि आजाद हिन्द फौज के मेजर जनरल शाहनवाज खान शाहरुख खान की मां लतीफ फातिमा को अपनी बेटी के समान समझते थे। यहाँ तक कि शाहरुख के पिता मीर ताज मोहम्मद खान से लतीफ फातिमा की शादी भी शाह नवाज खान के बंगले में ही हुई थी। यह साबित करता है कि कर्नल शाहनवाज खान का शाहरुख के परिवार से गहरा आत्मीय रिश्ता था। इसीलिये यह भी कहा जाता है कि शाहरुख खान की माँ लतीफ फातिमा को आजाद हिन्द फौज के मेजर जनरल शाह नवाज खान ने गोद लिया था या वे उनके लिए पिता-तुल्य थे। ऐसे संस्कारों में परवरिश पाने वाले शाहरुख खान को गद्दार व देशद्रोही जैसी 'उपाधियाँ ' देने वालों को अपने पारिवारिक संस्कारों व देश के प्रति शाहरुख की कुर्बानियों व सेवाओं की तुलना जरूर करनी चाहिए।

वेनेजुएला संकट के बहाने वैश्विक शक्ति-संतुलन

हाल ही में वेनेजुएला में घटित राजनीतिक घटनाक्रम और उसमें अमेरिकी हस्तक्षेप ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक पुरानी बहस को फिर से जीवित कर दिया है। अनेक विश्लेषक इसे उन्नीसवीं सदी के मुनरो सिद्धांत की संभावित वापसी के रूप में देख रहे हैं। मुनरो सिद्धांत मूलतः यह घोषित करता था कि पश्चिमी गोलार्द्ध में किसी बाहरी शक्ति का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं होगा और इस क्षेत्र को अमेरिका अपने प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखेगा। समय के साथ यह सिद्धांत उपनिवेशवाद-विरोधी आदर्श से हटकर अमेरिकी प्रभुत्व और हस्तक्षेपवादी नीति का औजार बन गया। आज, जब विश्व बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ रहा है, तब वेनेजुएला जैसे देशों में अमेरिकी दखल यह संकेत देता है कि शक्ति-राजनीति के पुराने सिद्धांत नए संदर्भों में फिर उभर रहे हैं।

वेनेजुएला लंबे समय से आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय दबावों से जूझ रहा है। अमेरिका ने लोकतंत्र, मानवाधिकार और आर्थिक कुप्रबंधन के नाम पर वहां प्रतिबंधों और राजनीतिक हस्तक्षेप को उचित ठहराया है। किंतु आलोचकों का मानना है कि इसके पीछे असली कारण वेनेजुएला के विशाल तेल संसाधन और लैटिन अमेरिका में अमेरिकी प्रभाव को बनाए रखने की रणनीति है। यह वही सोच है जो ऐतिहासिक रूप से मुनरो सिद्धांत के अंतर्गत विकसित हुई थी, जहाँ अमेरिका स्वयं को पूरे क्षेत्र का संरक्षक मानता रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में ब्रिक्स देशों की प्रतिक्रियाएँ विशेष ध्यान आकर्षित करती हैं। चीन और रूस ने अमेरिकी हस्तक्षेप का खुलकर विरोध किया और इसे संप्रभुता के उल्लंघन के रूप में प्रस्तुत किया। उनके वक्तव्यों में न केवल वेनेजुएला के समर्थन का स्वर था, बल्कि अमेरिका के वैश्विक वर्चस्व को चुनौती देने की व्यापक रणनीति भी निहित थी। इसके विपरीत, भारत का वक्तव्य अपेक्षाकृत संतुलित, संयमित और कूटनीतिक रहा। भारत ने न तो अमेरिका की नीति का समर्थन किया और न ही तीखा विरोध। यह अंतर भारत की विदेश नीति की विशिष्टता और उसकी रणनीतिक सोच को दर्शाता है।

भारत के इस संतुलित रुख के पीछे सबसे प्रमुख कारण उसकी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत ने किसी एक शक्ति गुट में शामिल होने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेने की परंपरा अपनाई है। शीत युद्ध काल में गुटनिरपेक्ष आंदोलन इसका उदाहरण था, और आज के बहुध्रुवीय विश्व में यह नीति और भी प्रासंगिक हो गई है। अमेरिका भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है, विशेषकर रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में। ऐसे में वेनेजुएला जैसे मुद्दे पर तीखा विरोध भारत-अमेरिका संबंधों को अनावश्यक रूप से प्रभावित कर सकता था। साथ ही, भारत रूस और अन्य ब्रिक्स देशों के साथ भी अपने ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध बनाए रखना चाहता है। इस दोहरे संतुलन के लिए भारत को शब्दों और रुख में अत्यंत सावधानी बरतनी पड़ती है। भारत की कूटनीति टकराव से अधिक संवाद पर विश्वास करती है और यही कारण है कि वह विवादास्पद अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अक्सर संतुलित भाषा का प्रयोग करता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण कारण भारत की स्वयं की संवेदनशीलताएँ हैं। भारत लंबे समय से संप्रभुता और गैर-हस्तक्षेप के सिद्धांत का समर्थन करता रहा है, क्योंकि वह स्वयं कश्मीर और अन्य आंतरिक मुद्दों पर बाहरी हस्तक्षेप का विरोध करता है। यदि भारत वेनेजुएला के मामले में किसी एक पक्ष के समर्थन में अत्यधिक मुखर होता, तो भविष्य में उसके अपने मामलों पर भी प्रश्न उठाए जा सकते थे। इसलिए भारत ने सिद्धांतों का समर्थन करते हुए भी व्यावहारिक संतुलन बनाए रखा।

भारत का संतुलित वक्तव्य यह भी दशार्ता है कि वह स्वयं को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। भारत का उद्देश्य केवल प्रतिक्रिया देना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में स्थिरता और संवाद को बढ़ावा देना है। यही कारण है कि भारत अक्सर शांतिपूर्ण समाधान, बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन पर जोर देता है। यह रुख उसे वैश्विक दक्षिण के देशों में एक भरोसेमंद और संतुलित नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करता है। बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत के लिए लैटिन अमेरिका का महत्व लगातार बढ़ रहा है। अब तक यह क्षेत्र भारत की विदेश नीति में अपेक्षाकृत उपेक्षित रहा है, किंतु वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ इस सोच में बदलाव की माँग करती हैं। लैटिन अमेरिका ऊर्जा संसाधनों, विशेषकर तेल और गैस, के साथ-साथ लिथियम, तांबा और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का भी बड़ा स्रोत है। हरित ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों के युग में ये संसाधन भारत की आर्थिक और तकनीकी आकांक्षाओं के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, लैटिन अमेरिका कृषि उत्पादों, फार्मास्यूटिकल्स और उभरते बाजारों की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। भारत की दवा उद्योग और आईटी सेवाएँ इस क्षेत्र में व्यापक संभावनाएँ रखती हैं। यदि भारत अपनी कूटनीतिक और आर्थिक उपस्थिति को सशक्त करता है, तो वह चीन की बढ़ती पकड़ को संतुलित कर सकता है, जिसने हाल के वर्षों में लैटिन अमेरिका में बड़े पैमाने पर निवेश और अवसंरचना परियोजनाएँ शुरू की हैं।

राजनीतिक दृष्टि से भी लैटिन अमेरिका भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर भारत को स्थायी सुरक्षा परिषद सदस्यता जैसी आकांक्षाओं के लिए व्यापक समर्थन की आवश्यकता है। लैटिन अमेरिकी देशों का समर्थन इस दिशा में निर्णायक हो सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि भारत केवल संकट के समय प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करे। भारत को अपनी लैटिन अमेरिका नीति में बदलाव करते हुए अधिक सक्रिय, बहुआयामी और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। इसमें नियमित उच्चस्तरीय कूटनीतिक संवाद, व्यापार और निवेश समझौते, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विकास सहयोग शामिल होना चाहिए। साथ ही, भारत को यह भी स्पष्ट करना होगा कि वह किसी भी क्षेत्र में प्रभाव क्षेत्रों की राजनीति का समर्थन नहीं करता, बल्कि संप्रभुता, समानता और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों पर आधारित संबंधों का पक्षधर है।

अंततः, वेनेजुएला संकट और मुनरो सिद्धांत की संभावित वापसी केवल एक क्षेत्रीय घटना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति संतुलन में हो रहे बदलावों का प्रतीक है। भारत का संतुलित रुख इस बात का संकेत है कि वह न तो अंधानुकरण करना चाहता है और न ही अनावश्यक टकराव। यह रुख उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच, वैश्विक दक्षिण के प्रति प्रतिबद्धता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थन को दशार्ता है। आने वाले समय में यदि भारत लैटिन अमेरिका के प्रति अधिक सक्रिय और दूरदर्शी नीति अपनाता है, तो वह न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सुदृढ़ करेगा, बल्कि एक अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में भी योगदान दे सकेगा।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

कल्याण में महायुती प्रचार के लिए मुख्यमंत्री की सभा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। बुधवार को कल्याण पूर्व में भाजपा और शिवसेना महायुति की सभा में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कल्याण-डोंबिवली की जनता को आश्वासित करते हुए कहा कि कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका को एमएमआर क्षेत्र की सबसे सुंदर महानगर पालिका बनाएंगे। उन्होंने अपील की, कि आगामी 15 जनवरी को केवल एक दिन कमल और धनुषबाण के निशान की चिंता कीजिए,हम आने वाले 5 सालों तक आपकी चिंता करेंगे। बतादें कल्याण पूर्व में भाजपा महायुति की सभा संपन्न हुई जिसमें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, शिवसेना के सांसद डा.श्रीकांत शिंदे, विधायक राजेश मोरे, विधायक सुलभा गायकवाड़, नरेंद्र सूर्यवंशी, नंदू परब, रिपाई के जिलाध्यक्ष प्रल्हाद जाधव, दीपेश म्हात्रे, अभिमन्यु गायकवाड़, आदि महायुति के पदाधिकारी उपस्थित थे। अपने भाषण में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने निर्विरोध जीते नगरसेवकों के मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों की जमकर आलोचना की। सीएम ने कहा कि चुनाव के पहले चरण में ही केडीएमसी में महायुति के 21 नगरसेवक निर्विरोध निर्वाचित हुए। यह इस बात का प्रमाण है कि जनता का विश्वास रविंद्र चव्हाण और एकनाथ शिंदे पर है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है, तुम्हें मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं? देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि लोकसभा के इतिहास में अभी तक 35 सांसद निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं, और 35 में से 33 सांसद कांग्रेस के कार्यकाल में निर्विरोध जीते। तब लोकतंत्र जीवित था, लेकिन महायुति के 21 नगरसेवक निर्विरोध जितने पर विपक्ष इसे लोकतंत्र की हत्या बता रहा है, उन्हें आईना देखने की जरूरत है। सीएम ने अपने संबोधन के दौरान कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा कि इस बार के चुनाव में भाजपा-शिवसेना एकजुट और एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। इसलिए इस बार की जीत कल्याण-डोंबिवली के इतिहास की सबसे बड़ी जीत होनी चाहिए।

स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति में बविआ और शिवसेना के पदाधिकारी भाजपा में शामिल

वसई (उत्तरशक्ति)। भाजपा महायुति के मध्यवर्ती इलेक्शन ऑफिस, अंबाडी रोड, वसई वेस्ट में आज एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। वसई विधानसभा क्षेत्र में बीते एक वर्ष में हुए बड़े विकास कार्यों और पारदर्शी प्रशासन पर भरोसा जताते हुए बहुजन विकास आघाड़ी और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के कई प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर बहुजन विकास आघाड़ी की पूर्व नगरसेविका श्रीमती सुषमा संजू लोपिस, शिवसेना उभाठा कोफ्राड के पूर्व ब्रांच चीफ मुकेश पाटिल, बहुजन विकास आघाड़ी के सक्रिय कार्यकर्ता केबिन टस्कानो, रॉयल लोपिस, अनिल टस्कानो, ओसवान टस्कानो, अमोल म्हात्रे, कश्यप मंगेला, नितेश किनी, संतोष पाटिल और आकाश प्रभुलकर ने सार्वजनिक रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस प्रवेश को वसई में विकास की दिशा, पारदर्शी शासन और जनहित में लिए जा रहे निर्णयों के प्रति मजबूत समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान यह भावना व्यक्त की गई कि भाजपा केवल एक राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि विकास का एक सशक्त आंदोलन है, जो वसई-विरार क्षेत्र की समग्र प्रगति के लिए निरंतर कार्यरत है। इस मौके पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, वार्ड क्रमांक 28 से कॉर्पोरेटर पद के उम्मीदवार नितिन ठाकुर और श्रीमती सुचिता शेट्टी, उद्योग आघाड़ी के जिला संयोजक रितेश सत्यनाथ, पूर्व कॉर्पोरेटर छोटू आनंद, साथ ही मयूर नाइक, राजू इसाई, मनमित राउत, निनाद नाइक, निपुण दोशी, विशाल म्हात्रे सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह प्रवेश समारोह वसई में भाजपा के प्रति बढ़ते जनविश्वास और विकास की राजनीति को मिल रहे व्यापक समर्थन का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है।

मास्टरशेफ इंडिया में शेफ कुणाल कपूर की वापसी

मुंबई/पटना। लंबे समय के बाद मास्टरशेफ इंडिया के जजिंग पैनल में वापसी करते हुए, मास्टरशेफ सेट को देखने पर आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी? यह घर वापस आने जैसा महसूस हुआ। मास्टरशेफ किचन ने मेरी अपनी यात्रा सहित कई कहानियों को शुरू होते देखा है, और उस सेट पर वापस कदम रखने से जुनून, दबाव और भोजन के प्रति शुद्ध प्रेम की यादें ताजा हो गईं। साथ ही, यह रोमांचक और नया भी लगा, क्योंकि शो विकसित हुआ है और मैं भी। यह जाना-पहचाना था, फिर भी नई ऊर्जा से भरा हुआ था। इस बार 'जोड़ी' फॉर्मेट रिश्तों को सुर्खियों में ला रहा है। आप किसी डिश का मूल्यांकन कैसे करेंगे जब दो प्रतियोगियों के बीच का बॉन्ड दबाव में उनके प्रदर्शन को प्रभावित करने लगता है? जोड़ी फॉर्मेट प्रतियोगिता में एक बहुत ही मानवीय पहलू जोड़ता है। जब भावनाएं बीच में आती हैं, तो वे या तो किसी डिश को बेहतरीन बना सकती हैं या उसका संतुलन पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं। जजों के रूप में हम उस बॉन्ड से परे देखते हैं और थाली में जो परोसा गया है उस पर ध्यान केंद्रित करते हैं—यानी स्वाद की स्पष्टता, तकनीक और अवधारणा।

बोईसर - पालघर पत्रकार संघ ने धूमधाम से मनाया दर्पणकार आचार्य स्व.बालशास्त्री जांभेकर की जयंती

अग्निशमन दल, नगर परिषद पालघर के पाँच जवान विशेष जीवन रक्षक पुरस्कार से सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र के आद्य पत्रकार ऱदर्पणकारऱ आचार्य स्व.बाल शास्त्री जांभेकर की जयंती 'पत्रकार दिवस' के अवसर पर मंगलवार 06 जनवरी 2026 को पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित टीमा हॉल में बोईसरझ्पालघर पत्रकार संघ (रजि.) की ओर से बड़े धूमधाम के साथ पत्रकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बोईसर-पालघर पत्रकार संघ की तरफ से पालघर नगर परिषद के अग्निशमन दल के पाँच जांबाज जवानों को उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और मानवतावादी सेवा के लिए ह्लविशेष जीवन रक्षक पुरस्कारझ्2025ह्व प्रदान कर मान्यवरों के शुभ हाथों से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सी टी ई एस इंग्लिश मीडियम स्कूल,बोईसर के विद्यार्थियों द्वारा पारम्परिक लेज़िम से अतिथियों के स्वागत से किया और सुमधुर ईश प्रार्थना तथा स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इसके बाद महाराष्ट्र के आद्य पत्रकार दर्पणकार आचार्य स्व.बालशास्त्री जांभेकर के छायाचित्र पर प्रमुख अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी।

इस अवसर पर पालघर नगरपरिषद, अग्निशमन दल के पांच जवान रुचीत मोहन दवणे (लीडिंग फायरमैन), योगेश गोविंद दिवा (फायरमैन), मुकेश नागेश पाटील (फायरमैन), मोहनिश हरेश्वर पागधरे (फायरमैन) तथा नितीन गंगाराम खेताडे (यंत्रचालक) को पत्रकार संघ की ओर से अतिथियों के शुभ हाथों से स्मृति चिन्ह, शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि 3 दिसंबर 2024 की शाम करीब 7 बजे पालघर तहसील के काशीपाडा की एक इमारत में भीषण आग लगने की घटना घटी थी। इस दौरान अत्यंत जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में पालघर नगरपरिषद के इन जवानों ने काफी मेहनत मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया और इमारत की तीसरी मंजिल में फँसे वृद्धों, महिलाओं तथा दो छोटे बच्चों सहित कुल पाँच नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जान बचाई। उनके इसी साहस और मानव सेवा को सम्मानित करने के उद्देश्य से उन्हें यह विशेष जीवन रक्षक पुरस्कार-2025 प्रदान किया गया।

इस मौके पर बोलते हुए प्रमुख अतिथी पालघर जिला आपत्ति प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम ने कहा कि अग्निशमन दल के जवान समाज के सच्चे जीवन रक्षक होते हैं, जो हर आपदा में सबसे पहले आगे बढ़कर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भीषण आग और धुएँ से घिरी इमारत में फंसे 5 लोगों की जान अपनी जिन्दगी जोखिम मे डाल कर बचाने वाले पालघर नगर परिषद , अग्नि शमन दल के जवानों को सम्मानित करके पत्रकार संघ ने निश्चित ही एक सराहनीय कार्य किया है। पत्रकारों की सामाजिक जिम्मेदारी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में उनकी भूमिका को रेखांकित करता है तथा निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता के लिए प्रेरित करता है इस दौरान कदम ने आपत्ति प्रबंधन से सम्बन्धित अनेक जानकारियां भी साझा की।

विशेष अतिथि तथा बोईसर पुलिस थाना के प्रभारी सुनील जाधव ने दर्पणकार आचार्य स्व.बालशास्त्री जाम्भेकर की जीवनी पर विस्तृत प्रकाश डाला और बोईसरझ्पालघर पत्रकार संघ द्वारा किए जा रहे सामाजिक, जनहितकारी और प्रेरणादायी कार्यों की प्रशंसा करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी पत्रकार संघ इसी प्रकार समाज के लिए प्रेरणादाई कार्य करता रहेगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 9 जनवरी को वसई- विरार में करेंगे भव्य रैली

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के मद्देनजर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 9 जनवरी को वसईझ्विरार में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे। यह पब्लिक कैंपेन रैली नालासोपारा ईस्ट स्थित सेंट्रल पार्क गार्डन में आयोजित की जाएगी।

राज्य भाजपा के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने भरोसा जताया कि वसईझ्विरार में भाजपा-शिवसेना-श्रमजीवी अग्री सेना महायुति की बिना किसी संदेह के जीत होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्यभर में हो रहे विकास कार्यों को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है।केशव उपाध्ये ने बताया कि पहले चरण के नगर निगम चुनावों में भाजपा नंबर वन पार्टी बनकर उभरी है और अब दूसरे चरण में भी पार्टी शानदार प्रदर्शन करेगी। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भाजपा राज्य की 29 नगर निगमों में सफलता हासिल करेगी।

इस अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल और जिला महामंत्री मनोज बारोट भी उपस्थित थे। उपाध्ये ने कहा कि मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं और शहरों का कायाकल्प हो रहा है, जिससे आम नागरिकों का भाजपा पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

भिवंडी शहर के विकास का रोडमैप प्रस्तुत करने वाला भाजपा का घोषणापत्र का हुआ विमोचन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका चुनाव की पृष्ठभूमि में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना घोषणापत्र जारी किया है। इस घोषणापत्र का विमोचन प्रदेश महासचिव एडवोकेट माधवी नाईक के शुभहस्ते भिवंडी में आयोजित विजय संकल्प सभा में किया गया।

घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है कि केंद्र और राज्य सरकार के माध्यम से महायुति सरकार ने भिवंडी शहर के विकास के लिए करोड़ों रुपये की निधि उपलब्ध कराई है।इसके तहत शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की गई है जिसमें शहर की सड़क व यातायात अधोसंरचना का विकास, फ्लाईओवर पर नॉइज बैरियर और सेफ्टी रेलिंग की व्यवस्था, फ्लाईओवर के नीचे मनोरंजन व विरंगुला (रिक्रिएशन) जोन का निर्माण, शहर की सार्वजनिक यातायात व्यवस्था के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत 100 इलेक्ट्रिक बसों की परियोजना को लागू करना, औद्योगिक एवं व्यापारिक विकास के लिए भव्य टेक्सटाइल बिल्डिंग का निर्माण, अनुसंधान व प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना तथा मोती व्यवसाय में कार्यरत महिला कामगारों के लिए विशेष सुविधाएं, बाजारपेठ, सब्जी मंडी के लिए स्वतंत्र इमारतें और अलग पार्किंग व्यवस्था, महिलाओं के लिए सार्वजनिक शौचालय, वाहनतल, पार्किंग जोन, फेरीवाला-मुक्त फुटपाथ और सड़कें, पालिका स्कूलों को हाईटेक बनाना, एआई आधारित आधुनिक शिक्षा व्यवस्था, कौशल विकास, स्टार्टअप के लिए को-वर्किंग स्पेस, महिलाओं के लिए स्वतंत्र कौशल विकास केंद्र, महिला बचत समूहों को ऋण व स्टार्टअप प्रोत्साहन, स्वरोजगार और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा, हर घर को पर्याप्त जलापूर्ति, सशक्त ड्रेनेज व्यवस्था, जलापूर्ति के लिए पुरानी कुओं का पुनर्जीवन, संशोधित विकास योजना का प्रभावी क्रियान्वयन, सड़क चौड़ीकरण में प्रभावित नागरिकों को मुआवजा, क्लस्टर डेवलपमेंट और झोपड़पट्टी पुनर्विकास योजना, मेट्रो स्टेशन परिसर में टीओडी (ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट) आधारित विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करना-सुसज्जित पालिका अस्पताल, मोबाइल क्लिनिक, महिला एवं बाल स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान, कैंसर जांच और उपचार के लिए नियमित शिविर, स्विमिंग पूल और व्यायामशाला का निर्माण, वराळ देवी तालाब का सौंदर्यीकरण, समाज मंदिर और सांस्कृतिक केंद्र, कामवारी नदी की सफाई, वृक्षारोपण अभियान, डाइंग और साइजिंग कंपनियों के लिए प्रदूषणमुक्त यूनिट, अंत्यसंस्कार के लिए विद्युत शवदाहिनी, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से झोपड़पट्टी मुक्त शहर, घरेलू और वाणिज्यिक उपयोग के लिए गैस पाइपलाइन, पूरे शहर में सीसीटीवी नेटवर्क स्थापित कर सुरक्षा को प्राथमिकता भाजपा के इस घोषणापत्र में भिवंडी को एक आधुनिक, सुरक्षित और विकसित शहर बनाने का संकल्प व्यक्त किया गया है।

मीरा भायंदर में महाविजय की तरफ बढ़ती भाजपा, वार्ड 18 में हताश हुआ विपक्ष

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका चुनाव में विधायक नरेंद्र मेहता द्वारा महायुति नहीं करने का निर्णय रंग लाता नजर आ रहा है। एक तरफ भाजपा जहां लगातार महाविजय की तरफ बढ़ रही है, वही शिवसेना प्रत्याशियों के चेहरों पर महायुती न होने की निराशा साफ दिखाई दे रही है। महापालिका के प्रभाग क्रमांक 18 में भाजपा प्रत्याशी पूर्व महापौर निर्मला सावले, मयूरी सचिन म्हात्रे, नीला सोंस तथा युवा चेहरा विवेक उपाध्याय के पैनल को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। इनकी पदयात्राओं में शामिल मतदाताओं का जोश और उत्साह देखते हुए विपक्ष अभी से पस्त होता दिखाई दे रहा है। प्रभारी सुरेश सिंह की माने तो आमदार नरेंद्र मेहता और जिला अध्यक्ष दिलीप जैन के नेतृत्व में हम यहां से रिकॉर्ड मतों से विजय हासिल करने जा रहे हैं। इस वार्ड में सिर्फ और सिर्फ भाजपा की लहर है। सुरेश सिंह के अलावा सह प्रभारी अजय सिंह ठाकुर, सह प्रभारी कमलेश दुबे, मंडल अध्यक्ष संजय मिश्रा, कार्यालय प्रभारी जय शेटे, तेजस्विनी सरिता हरपले समेत अनेक लोग इस वार्ड में विजय को महाविजय में तब्दील करने में लगे हैं।

वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में महायुति की जीत का शंखनाद

वसई-विरार (उत्तरशक्ति)। आगामी वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों के मद्देनजर महायुति ने जोरदार प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र राज्य के मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे ने नालासोपारा विरार क्षेत्र में महायुति के सभी उम्मीदवारों के समर्थन में जनजागृति दौरा किया और कई बड़ी सभाओं को संबोधित किया।मंत्री नितेश राणे ने नालासोपारा पूर्व के अछोले, गाला नगर, विजयनगर, मोरेगांव तथा विरार पूर्व के कारगिल नगर, गुरुदत्त नगर और कोंकण नगर क्षेत्रों में जनसभाएँ कीं। इन सभी बैठकों में जनता का भारी उत्साह और बड़ी संख्या में सहभागिता देखने को मिली। सभाओं में महायुति की विकास-आधारित नीतियों को लेकर जनता का बढ़ता समर्थन साफ नजर आया। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि आने वाले म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों में महायुति की जीत सुनिश्चित है। विकास के लिए एकता और जीत का पक्का इरादा जैसे नारे सभाओं में गूंजते रहे। इन कार्यक्रमों में विधायक राजन नाईक तथा भाजपा

जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। नेताओं ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए महायुति की प्रतिबद्धता दोहराई और जनता से समर्थन की अपील की।

उल्हासनगर में मुख्यमंत्री की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब

गुंडागर्दी करने वाले समझ जाएं कि ये देवा भाऊ की सरकार -फडणवीस

चेतन निर्मल संवाददाता

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। बुधवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सभा में भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओ से लेकर आम नागरिक पहुंचे, अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि तमाम समाज के लोग यहां पर रहते हैं जिससे विभिन्न कल्चर यहां पर देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से उल्हासनगर का विकास होना था उस तरह नही हुआ लेकिन अब मेरा एजेंडा उल्हासनगर है, उल्हासनगर विकास का इंजन बनेगा, मेट्रो व ई बसेज के माध्यम से ट्रांसपोर्ट सुविधा को बढ़ाएंगे। पूसीर व सिलार में डैम बनाए जाएंगे जिसके माध्यम से उल्हासनगर व आसपास की मनपाओं को आवश्यकता से अधिक पानी मिलेगा। करोड़ों रुपए के सीवेज की सौगात उल्हासनगर को दी गई है, माध्यम से मैला ट्रीट होगा और खाद निकलेगी साथ ही साफ पानी अलग किया जाएगा जिससे लोगों को

स्वास्थ जनित समस्याएं नही होंगी।

आमदार कुमार आयलानी को कहते हुए उन्होंने कहा कि कुमार जी आप शहर के लिए डीपी तैयार कीजिए सभी सड़कों को कंक्रीट करने में जितना पैसा लगेगा वह मैं दूंगा।

रेगुलराइजेशन पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि तमाम कोशिशों के बावजूद इस प्रक्रिया में बाधा आती रही हैं इसके लिए एक नीति बनाएंगे और इंसेंटिव के माध्यम से नियमितीकरण करेंगे। गुंडाराज पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उल्हासनगर में गुंडों का नही बल्कि कानून का राज चलेगा, गुंडागर्दी करने वाले यह समझ ले कि देवा भाऊ गुंडों से निबटना जानता है।

कमल पर वोट देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि कमल जो समृध्दि, लक्ष्मी का प्रतीक है कीचड़ में खिलता है लेकिन दाग नही लगता, शहर में केवल महापौर बनाना हमारा उद्देश्य नही है बल्कि सभी के जीवन मे सकारात्मक परिवर्तन लाना हमारा उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि 15 जनवरी को आप मतदान करें 16 जनवरी से आपका ख्याल देवा भाऊ रखेगा। इस दौरान आमदार कुमार आयलानी व अन्य लोगों द्वारा मुख्यमंत्री का भव्य सत्कार किया गया।

जेएनपीए ने स्वदेशी एचएमएस व आईवीटीएस को किया एकीकृत, रियल-टाइम डिजिटल प्लेटफॉर्म से समुद्री संचालन में नई क्रांति

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत के सबसे बड़े कंटेनर बंदरगाह जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) ने समुद्री संचालन को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। जेएनपीए ने स्वदेशी रूप से विकसित हार्बर मैनेजमेंट सिस्टम (HMS) और इंटीग्रेटेड वेसल ट्रैफिक सिस्टम (iVTS) को लागू कर वास्तविक समय, डेटा-आधारित समुद्री संचालन को सशक्त किया है।

समुद्री संचालन की जटिलताओं और डेटा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जेएनपीए ने तैयार सॉफ्टवेयर समाधान को अपनाने के बजाय राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग एवं तटीय प्रौद्योगिकी केंद्र (NTCPWC) के सहयोग से पूरी तरह स्वदेशी एचएमएस विकसित किया। यह प्रणाली पोत शेड्यूलिंग, पायलट डेटा, संसाधन आवंटन, आईओटी-आधारित इनपुट, सुरक्षा निगरानी तथा स्थिरता ट्रैकिंग को एक ही एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़ती है, जो वैश्विक मानकों के अनुरूप है। इसके साथ ही, जेएनपीए ने मुंबई पोर्ट अथॉरिटी की पारंपरिक वीटीएस व्यवस्था से आगे बढ़ते हुए अपना स्वतंत्र iVTS भी शुरू किया है। वार्ट्सिला के सहयोग से एआईएस-आधारित पोत डेटा संग्रह की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। पूर्ण रूप से लागू होने पर यह प्रणाली टर्मिनल ऑपरेटरों और सेवा प्रदाताओं को रियल-टाइम परिचालन जानकारी उपलब्ध कराएगी, जिससे निर्णय प्रक्रिया अधिक तेज और प्रभावी होगी। इस अवसर पर जेएनपीए के अध्यक्ष गौरव दयाल, आईएएस ने कहा कि लैंडलॉर्ड पोर्ट मॉडल में पारदर्शिता, दक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समुद्री संचालन का डिजिटलीकरण अत्यंत आवश्यक है। स्वदेशी एचएमएस और रियल-टाइम डेटा प्लेटफॉर्म को अपनाकर जेएनपीए न केवल वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप आगे बढ़ रहा है, बल्कि सभी टर्मिनल ऑपरेटरों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की अपनी क्षमता भी सुदृढ़ कर रहा है। इसका सकारात्मक प्रभाव बंदरगाह के प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धात्मकता में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

डिजिटलीकरण के चरण-क के अंतर्गत, पिछले छह महीनों से जेएनपीए पायलट थगावल ऐप के माध्यम से सभी जहाज आवागमन डेटा को डिजिटल रूप से दर्ज किया जा रहा है। यह ऐप मास्टर के डिजिटल हस्ताक्षर सहित संपूर्ण पायलट डेटा रिकॉर्ड करता है, रिपोर्ट तैयार करता है और बंदरगाह की बिलिंग प्रणाली FOCUS तथा राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स पोर्टल (NLP) से एकीकृत है। मैन्युअल रिकॉर्डिंग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जा रहा है। चरण-II के परीक्षण जारी हैं, जिसमें टगबोट, पायलट लॉन्च और अन्य संसाधनों का भी डिजिटल डेटा कैप्चर किया जाएगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

संदिग्ध परिस्थितियों में कूलर पार्ट्स की दुकान में लगी आग

लगभग पंद्रह लाख का सामान जल कर खाक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के बदलापुर पड़ाव स्थित जारा कूलर की दुकान में रात में विषम परिस्थितियों में आग लगने की सूचना पर जब दुकान के अधिष्ठाता सिराज सिद्दीकी मौके पर पहुंचे तब तक आग की लपटों से पूरी दुकान घिरी हुई पाई उन्होंने तुरंत इसकी सूचना डायल 112 और फायर ब्रिगेड को दिया, फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरीके से आग पर काबू पाया लेकिन जब तक उनका सारा माल जल करके खाक हो चुका था अपने सारे माल को राख में तब्दील देखने के बाद दुकान के अधिष्ठता सिराज सिद्दीकी काफी गमगिन नजर आ आए उनका कहना है कि कल ही रात में आगामी सीजन के लिए उन्होंने लगभग 15 लख रुपए का कूलर पार्ट्स का सामान मंगवाया था।कुछ पैसे लोन लिए थे कुछ उधार सामान आया था, उक्त दुकान में रखवाया था रात में जब घर पर पहुंचे तो दुकान के अगल-बगल रहने वाले पड़ोसियों ने उनको सूचना दी कि उनकी दुकान में आग लग गई है उन्होंने यह भी बताया कि दुकान में स्थित कैश काउंटर में रखा हुआ लगभग एक लाख नगद भी जल करके खाक हो गया काउंटर में रखे हुए अन्य प्रपत्र और सामान की सारी रशीदें चलकर खाक हो गई आग इतनी भयंकर थी की छत की पटिया और गाटर भी टेढ़े हो गए ,सिराज सिद्दीकी उनके भाई सद्दाम सिद्दीकी और अन्य परिजनों ने प्रशासन से गुहार लगाई है की देवी आपदा के अंतर्गत हमारी क्षतिपूर्ति का अंदाजा लगाते हुए हमें सरकार की तरफ से कुछ अनुमोदन दिया जाए ताकि नुकसान की कुछ क्षति पूर्ति हो सके।

पुरानी रंजिश को लेकर ईंट, डंडे से मारकर अधेड़ को उतारा मौत के घाट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के माधव पट्टी गांव में डंडे और ईंट से मारकर एक व्यक्ति को घायल कर दिया गया और जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

घटना के बारे में बताया गया है कि माधव पट्टी गांव निवासी गुरु प्रसाद यादव उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र मेवालाल यादव बुधवार दिन के लगभग 11:00 बजे कजगाव बाजार में बैठे हुए थे। जिनके साथ या बैठे थे उन लोगों ने इन्हें शराब पिलाया और अपनी मोटरसाइकिल पर बैठकर माधव पट्टी में ही स्थित रेलवे लाइन के फाटक के पास ले जाकर डंडे और ईंट से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग भी पहुंच गए और घायल को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल में उपचार के लगभग आधे घंटे बाद गुरु प्रसाद की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

परिजनों ने बताया कि लगभग 1 वर्ष पूर्व पैसे के लेनदेन को लेकर हम लावरों से कुछ विवाद हुआ था। उसी विवाद अभी 5 तारीख को मुकदमे की तारीख रही यह बात मृतक की पुत्र ने बताया। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव प्रभारी निरीक्षक कोतवाली विश्वनाथ प्रताप सिंह समेत भारी मात्रा में पुलिस फोर्स जिला अस्पताल व मौके पर पहुंच गई है।

एसपी सिटी ने बताया कि इस घटना में शामिल एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। दूसरी तरफ पुलिस ने मृतक की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चकबंदी में भारी अनियमितता का आरोप, ग्राम कैलावर के काश्तकारों में आक्रोश

धारा 52 के प्रकाशन से पहले ही मनमानी, छोटे-छोटे अनुपयोगी चक बांटने का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील मड़ियाहूं क्षेत्र के ग्राम सभा कैलावर में चल रही चकबंदी प्रक्रिया को लेकर काश्तकारों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्राम सभा के समस्त काश्तकारों ने जिलाधिकारी जौनपुर को सामूहिक शिकायत पत्र देकर चकबंदी कार्य में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है।

काश्तकारों का कहना है कि उत्तर प्रदेश चकबंदी अधिनियम की धारा 52 का अब तक विधिवत प्रकाशन नहीं हुआ है, इसके बावजूद संबंधित चकबंदी अधिकारियों द्वारा धारा 52 के प्रकाशन की प्रक्रिया को जल्दबाजी में आगे बढ़ाया जा रहा है। आरोप है कि चकबंदी के मूल उद्देश्य को ताक पर रखकर किसानों को बेहद छोटे-छोटे, बिखरे और अनुपयोगी चक दे दिए गए हैं। कई किसानों को मात्र 9 एअर, 10 एअर और 20 एअर जैसे चक आवंटित किए गए हैं, जो खेती के लिए पूरी तरह अव्यवहारिक हैं।

काश्तकारों ने बताया कि चकबंदी का उद्देश्य छोटे व बिखरे खेतों को समाप्त कर बड़े, समेकित और उपयोगी चक देना है, ताकि कृषि कार्य सुचारु रूप से हो सके, लेकिन ग्राम कैलावर में ठीक इसके विपरीत कार्य किया जा रहा है। स्थिति यह है कि ग्राम सभा में दर्जनों आपत्तियां और वाद अब भी लंबित हैं, जिनका निस्तारण किए बिना ही अभिलेखों में 41/45 की प्रविष्टियां कर दी गई हैं। अधिकांश काश्तकारों को न तो इसकी विधिवत सूचना दी गई और न ही उनकी सहमति ली गई।

बाग और आबादी का गलत मूल्यांकन, किसानों को भारी नुकसानः काश्तकारों ने आरोप लगाया कि गाटा संख्या 90, 106, 121, 122, 492, 493, 494, 495 व 526 में स्थित बागों का गलत तरीके से मूल्यांकन किया गया है, जिससे किसानों को आर्थिक क्षति हो रही है। वहीं गाटा संख्या 425, जो आबादी की भूमि है और जिस पर मकान बने हुए हैं, उसका भी गलत मूल्यांकन कर दिया गया है। इसके साथ ही कई काश्तकारों को 41 व 45 की प्रतियां तक उपलब्ध नहीं कराई गईं।

धारा 52 का प्रकाशन हुआ तो होगी अपूरणीय क्षतिः ग्रामीणों का कहना है कि यदि वर्तमान स्थिति में धारा 52 का प्रकाशन कर दिया गया तो समस्त काश्तकारों को अपूरणीय क्षति होगी और पूरी चकबंदी प्रक्रिया अपने उद्देश्य से भटक जाएगी। इससे गांव में असंतोष और अविश्वास का माहौल लगातार गहराता जा रहा है।

जांच और कार्रवाई की मांगः ग्रामवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि ग्राम सभा कैलावर में धारा 52 का प्रकाशन तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाए, सभी लंबित आपत्तियों व वादों का निष्पक्ष व पारदर्शी निस्तारण कराया जाए तथा छोटे-छोटे और अनुपयोगी चकों को समाप्त कर किसानों को बड़े, समेकित और व्यवहारिक चक दिए जाएं। साथ ही चकबंदी प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं की जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र हस्तक्षेप करेगा और ग्राम सभा कैलावर के काश्तकारों को न्याय दिलाएगा।

सिंगरामऊ पुलिस टीम ने मनचले आरोपी को किया गिरफ्तार

सिंगरामऊ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सिंगरामऊ पुलिस टीम द्वारा एक मनचले आरोपी को किया गिरफ्तार। प्रभारी निरीक्षक सै0 हुसैन मुन्तजर के नेतृत्व में आज दिनांक 07.01.26 को उप निरी0 वंशराज दूबे मय हमराह द्वारा मिशन शक्ति के दृष्टिगत राजा हरपाल सिंह कालेज के आस- पास सघन चेकिंग की जा रही थी कि मुखविर की सूचना पर राजा हरपाल सिंह कालेज वहद ग्राम सिंगरामऊ के सामने से एक मनचला आरोपी जो आने जाने वाली छात्राओं को देखकर अश्लील हरकत कर रहा था व अश्लील गाने गा रहा था। जिसको आवश्यक पुलिस बल का प्रयोग करते हुए गिरफ्तार किया गया । आरोपी की पहचान सौरभ मौर्य पुत्र रामकैलाश मौर्य निवासी धरौली थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ के रुप में हुई । अभियोग पंजीकृत करते हुए चालान न्यायालय किया जा रहा है।

मेडिकल कालेज जौनपुर के चिकित्सकों का शोध प्रतिष्ठित मंच पर प्रकाशित होने पर प्रधानाचार्य ने किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा० मुदित चौहान एवं सहायक आचार्य डा० पूजा पाठक के द्वारा योग विषय पर किए गए दो शोध पत्रों का प्रकाशन अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित योगः इट्स रूल्स एंड हेल्थ एंड डिजीज' पुस्तक में किया गया है। यह प्रकाशन योग के वैज्ञानिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्व को रेखांकित करता है तथा शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

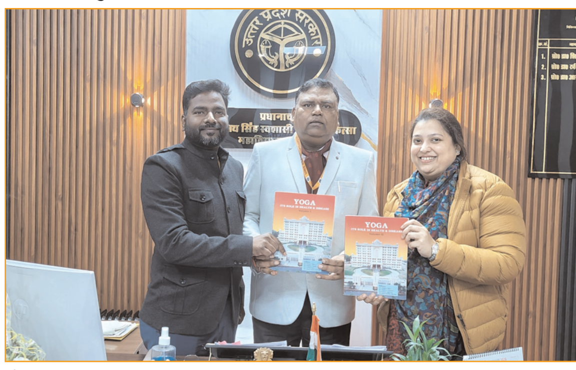

प्रथम शोध में बताया गया है कि योग के माध्यम से यह प्रतिपादित किया गया कि बढ़ती आयु को सकारात्मक एवं स्वस्थ बनाया जा सकता है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि मानसिक संतुलन एवं आत्मिक शांति बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भी बताया गया कि बढ़ती आयु के साथ उत्पन्न होने वाली शारीरिक एवं मानसिक चुनौतियों का समाधान नियमित योग अभ्यास द्वारा प्रभावी रूप से किया जा सकता है। योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाकर तथा इसे दैनिक दिनचर्या में सम्मिलित कर व्यक्ति अपने जीवन को अधिक स्वस्थ, संतुलित एवं रोगमुक्त बना सकता है।

द्वितीय शोध में यह प्रतिपादित्त किया गया कि योग का मानव जीवन में जुड़ाव वर्तमान समय की देन नहीं है, बल्कि इसकी गहरी पौराणिक एवं सांस्कृतिक जड़ें हैं। यद्यपि योग की उत्पत्ति प्राचीन काल में हुई, तथापि आधुनिक जीवन में भी इसकी प्रासंगिकता पूर्ववत बनी हुई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बढ़ते मानसिक तनाद, भावनात्मक असंतुलन एवं जीवनशैली जनित समस्याओं के समाधान हेतु योग की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। शोध में यह स्पष्ट किया गया है कि योग पौराणिक परंपरा से जुड़ा होने के बावजूद आधुनिक समय में मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी एवं व्यवहारिक माध्यम है।

योग विषय पर किये गये शोध का प्रकाशन 02 वालूम में होने पर प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल द्वारा संबंधित शोधकर्ता को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी गई। प्रधानाचार्य ने शोधकर्ता के अकादमिक परिश्रम एवं बौद्धिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शोध प्रकाशन संस्थान की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करतें है तथा चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहन देते है।

प्रधानाचार्य ने मेडिकल कालेज के समस्त संकाय सदस्यों को अनुसंधान की दिशा में आगे बढ़ने, नवीन विषयों का चयन करने तथा अकादमिक मंचों पर अपने शोध कार्यों को प्रकाशित करने हेतु प्रेरित किया, जिससे संस्थान को राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर एक सशक्त पहचान प्राप्त हो सके।

सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार भाजपा कार्यकर्ता की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन ब्लाक मुख्यालय के पास लोहार की पाही पर मंगलवार को खुटहन से मल्हनी जाने वाले मार्ग पर अज्ञात वाहन की

टक्कर से साइकिल सवार भाजपा कार्यकर्ता की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही कर दिया। खुटहन गांव निवासी व भाजपा के सेक्टर संयोजक 44 वर्षीय विनोद सिंह साइकिल से स्थानीय डाक बंगले पर आयोजित पार्टी कार्यकताओं की बैठक में भाग लेने आ रहे थे। उक्त स्थान पर पीछे से आ रहे किसी वाहन ने टक्कर मार दिया। उनके सिर में गंभीर चोटें आने से वे बेहोश हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस उन्हें उपचार हेतु सीएससी ले गयी। जहां देखते ही चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत की सूचना मिलते ही पत्नी नीतू सिंह, 18 वर्षीय पुत्र शानू, 16 वर्षीय शिवांस और 14 वर्षीय पुत्री रानू अस्पताल पहुंच गई। उनके करुण क्रंदन से पूरा माहौल गमगीन हो गया, ऐसी दर्दनाक दुर्घटना से पुरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गयी है।

ठिठुरन में बीता पूरा दिन, बेजुबानों पर सितम ढहा रही सर्दी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुबह से ही भीषण ठंड और गलन का दौर जारी है। सर्द हवाओं के सितम से इंसान के साथ ही जीव जंतु पशु पक्षी सब त्रस्त

हैं। इंसान गर्म कपड़े पहन रहा है और ब्लोअर या अलाव ताप रहा है। सबसे निरीह दशा बेजुबानों की है। पालतू पशुओं के लिए इंसान कुछ न कुछ जतन कर ले रहा है लेकिन जो पालतू नहीं हैं वे भगवान भरोसे हैं। इस दृश्य में गली के कुत्तों के ये पिल्ले ठिठुरन से बचने के लिए एक दूसरे से लिपटे हुए हैं, इसके अलावा ठंड से बचने के लिए इनके पास कोई चारा नहीं है। जनपद के ग्रामीण इलाकों में इन पिल्लों के लिए पुआल और पुराने टूटे फूटे घरों में जगह मिल जा रही है लेकिन बाजारों और कस्बों में इन्हें सर छुपाने की जगह नहीं नसीब हो रही है।

मड़ियाहूँ पुलिस ने महिला के गले से सोने की चेन छीनने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मडियाहूँ पुलिस टीम द्वारा दिनांक 28.12.2025 को थाना मडियाहूँ, अन्तर्गत कस्बा मडियाहूँ से एक महिला के गले से सोने की चैन झप्पटा मारकर ले जाने जिस सम्बन्ध मे थाना स्थानीय मु0अ0सं0- 572/25 धारा 304 बीएनएस पंजीकृत हुआ था जिसमे

आरोपी ताज मोहम्मद पुत्र मो0 उरमान निवासी तेजगढ थाना बरसठी जनपद जौनपुर , शुभम सेठ उर्फ बच्चा सेठ पुत्र गुलाब सेठ निवासी इदगाह रोड पश्चिम थाना मडियाहूँ जनपद जौनपुर का नाम प्रकाश मे आया जिन्हे आज दिनांक 07.01.26 को थाना स्थानीय पुलिस टीम द्वारा मुखबीर की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित आरोपीगण उपरोक्त को ददरा बाईपास से समय करीब 11.20 बजे गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर लाकर अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही किया जा रहा है। आरोपी के कब्जे से महिला के गले से झप्पट मारी कि गयी चैन के बेचे हुए कुल 9800 रु व 01 मोटर साईकिल पल्सर काली यूपी62डीई 0204 बरामद किया गया।

शिक्षक संदीप तिवारी की मौत रोक सकती थी पुलिसः विकास तिवारी

जौनपुर में चाइनीज मांझे के आतंक पर सत्र न्यायालय ने खोली पुलिस जांच की राह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के अधिवक्ता आशीष शुक्ला को प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से हुए जानलेवा हमले के मामले में न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जौनपुर ने दिनांक 05 जनवरी 2026 को उनकी आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए प्रवेश दे दिया तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के उस आदेश के खिलाफ नोटिस जारी किया, जिसमें गंभीर अपराध की शिकायत को साधारण परिवाद मानकर पुलिस जांच से इनकार कर दिया गया था। अब इस मामले की अगली सुनवाई 12 फरवरी 2026 को होगी। इस पूरे मामले में अधिवक्ता विकास तिवारी याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे हैं।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से घायल अधिवक्ता की न्यायिक लड़ाई में बड़ी सफलता, सत्र न्यायालय ने पुनरीक्षण याचिका स्वीकार कर जारी किया नोटिस

घटना 13 जनवरी 2025 की है। अधिवक्ता आशीष शुक्ला अपने साथी अधिवक्ता शिवराज यादव उर्फ भैयालाल के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर न्यायालय से अपने घर जा रहे थे। शास्त्री पुल के निकट पतंग उड़ा रहे अज्ञात व्यक्तियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे प्रतिबंधित चाइनीज मांझे में दोनों फंस गए। मांझे से शिवराज यादव के चेहरे और गर्दन पर गंभीर चोटे आई, जबकि आशीष शुक्ला को भी चोटें पहुंची। अधिवक्ता द्वय को पतंग उड़ानें वाले प्रतिबंधित धागे में फंसा हुआ देख पतंग उड़ा रहे लोग तालियां बजाते और हंसते हुए घटना का मजा लेते रहे। दोनों अधिवक्ताओं का यश हॉस्पिटल में इलाज कराना पड़ा।

पीड़ितों ने थाना लाइनबाजार में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की। पुलिस अधीक्षक को आवेदन देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। मजबूर होकर आशीष शुक्ला ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष अपने अधिवक्ता विकास तिवारी के माध्यम से आवेदन दाखिल किया, जिसमें प्राथमिकी दर्ज कर जांच की मांग की गई। लेकिन मजिस्ट्रेट ने इसे परिवाद मान लिया। इसके खिलाफ दाखिल पुनरीक्षण याचिका को अब सत्र न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है।

बाल विवाह के खिलाफ प्रशासन सख्त, सरपतहा थाने पर दिलाई गई शपथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र के नेतृत्व एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी विजय कुमार पाण्डेय के कुशल निर्देशन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत थाना सरपतहा परिसर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम, जागरूकता हस्ताक्षर अभियान एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत पंडित, मौलवी, काजी से लेकर मैरेज हॉल संचालक हुए शामिल

कार्यक्रम में विवाह से जुड़े सभी पक्षों—ब्राह्मण, मौलवी, काजी, टेंट हाउस, डीजे संचालक, वीडियो रिकॉर्डिंग, हलवाई, मैरेज हॉल संचालक तथा स्थानीय पत्रकारों ने प्रतिभाग किया। बैठक का उद्देश्य बाल विवाह की घटनाओं पर पूर्ण रोक लगाना, समुदाय स्तर पर शून्य सहनशीलता का वातावरण विकसित करना तथा कानूनों एवं सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से बालक-बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा।

बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति क्षेत्राधिकारीः कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बाल विवाह को एक गंभीर सामाजिक कुरीति बताते हुए इसके ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बाल विवाह निरोधक अधिनियम 1929 से लेकर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 तक बने कानूनों की विस्तार से जानकारी दी और उपस्थित लोगों से कानून का पालन सुनिश्चित कराने में सहयोग की अपील की।

1098 पर कॉल कर रुकवाएं बाल विवाह बाल संरक्षण अधिकारीः बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय ने बताया कि यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलती है तो तत्काल 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर कॉल कर उसे रुकवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। बाल विवाह से बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान पर भी प्रकाश डालते हुए उन्होंने आह्वान किया कि बाल विवाह मुक्त जौनपुर की शुरूआत अपनी ग्राम पंचायत से करें और वर्ष 2026 में एक भी बाल विवाह न होने दें।

हाथ उठाकर लिया संकल्प, हस्ताक्षर अभियान भी चलाः कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने हाथ उठाकर यह संकल्प लिया कि उनके क्षेत्र में कोई भी बाल विवाह नहीं होने दिया जाएगा। क्षेत्राधिकारी शाहगंज द्वारा सभी को बाल विवाह रोकने की शपथ भी दिलाई गई। साथ ही जागरूकता हस्ताक्षर अभियान का आयोजन कर समाज के हर वर्ग को अभियान से जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी थानाध्यक्ष सरपतहा कमल किशोर राय ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत प्रशिक्षण चयन प्रक्रिया शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र जौनपुर ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जनपद में लोहार, बढ़ई, राजमिस्त्री, नाई सहित विभिन्न ट्रेड में 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। उन्होंने बताया कि 07 जनवरी 2026 तक वेबसाइट www.diupmsme.upsdc.gov.in पर प्राप्त आवेदनों का चयन स्कोर कार्ड के आधार पर किया जाना है। 09 जनवरी को अभिलेख जांच व साक्षात्कार योजना के अंतर्गत आवेदन करने वाले सभी आवेदकों को सूचित किया गया है कि वे अपने मूल अभिलेखों, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र के साथ 09 जनवरी 2026 को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, जौनपुर में अभिलेख जांच एवं साक्षात्कार हेतु अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। उपायुक्त उद्योग ने स्पष्ट किया कि निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित न होने वाले आवेदकों का दावा अमान्य माना जा सकता है।

09 जनवरी को उपायुक्त उद्योग कार्यालय में होगी अभिलेख जांच व साक्षात्कार

वार्ड 177 से उम्मीदवार कल्पेशा जेसल कोठारी के समर्थन में आए वार्ड के लोग

-संजय मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 177 से उम्मीदवार कल्पेशा जेसल कोठारी के समर्थन में चल रहे चुनाव प्रचार अभियान को आज महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ। वडाला विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय जननेता एवं आमदार कालीदास कोलंबकर ने उम्मीदवार कल्पेशा जेसल कोठारी को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। प्रचार अभियान के दौरान आमदार कालीदास कोलंबकर ने उम्मीदवार के कार्यों और जनसेवा की भावना की सराहना करते हुए उन्हें पूर्ण समर्थन देने की बात कही। उनके आशीर्वाद से प्रचार अभियान को नई ऊर्जा और मजबूती मिली है। इसके साथ ही आज के कार्यक्रम में नारी शक्ति की भी विशेष सहभागिता देखने को मिली। महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए उम्मीदवार कल्पेशा जेसल कोठारी को अपना आशीर्वाद एवं समर्थन प्रदान किया। नारी शक्ति के समर्थन से प्रचार अभियान और अधिक प्रभावशाली होता दिखाई दिया। स्थानीय नागरिकों में भी उम्मीदवार को लेकर सकारात्मक माहौल बना हुआ है। वार्ड 177 में विकास, मूलभूत सुविधाओं और जनहित के मुद्दों को लेकर जनता की उम्मीदें उम्मीदवार से जुड़ी हुई हैं।

काशी में मेहमान बन कर आये साइबेरियन पक्षियों का परिवार, नन्हे परिंदे भी भर रहे उड़ान

विदेशी मेहमानों से सरोबार हुआ हर घाट

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में सर्दी के मौसम में काशी आने वाले साइबेरियन प्रवासी पक्षियों की संख्या प्रजनन काल के बाद तेजी से बढ़ने लगी है। गंगा नदी और उसके घाट इन दिनों इन पक्षियों की चहचहाहट और रंग-बिरंगे पंखों से गुलजार नजर आ रहे हैं। प्रजनन के बाद जब इनके बच्चे उड़ने लायक हो रहे हैं, तब घाटों पर इनकी मौजूदगी और भी बढ़ गई है, जो काशी की प्राकृतिक सुंदरता को खास बना रही है।

साइबेरिया से काशी तक का रोमांच भरा सफर

हर साल अक्टूबर-नवंबर से मार्च तक साइबेरियन प्रवासी पक्षी कड़ाके की ठंड से बचने के लिए काशी का रुख करते हैं। करीब 6 हजार किलोमीटर की यात्रा करते हुए ये पक्षी विशाल हिमालय के ऊपर से उड़ते हुए काशी, प्रयागराज आदि स्थानों पर पहुंचते हैं। दिसंबर के मध्य से फरवरी के अंत तक इनका प्रमुख प्रजनन काल रहता है। इस दौरान गंगा तट का शांत वातावरण, जल और भोजन की उपलब्धता इनके लिए अनुकूल मानी जाती है। प्रजनन के बाद मार्च-अप्रैल तक इनके बच्चे उड़ान भरने में सक्षम हो जाते हैं और इसके बाद ये पक्षी वापस अपने मूल स्थान साइबेरिया लौट जाते हैं।

घाटों पर बढ़ी चहल-पहल

इन दिनों अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, राजघाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर साइबेरियन पक्षियों की संख्या बढ़ती दिख रही है। इनके रंगीन पंख और मधुर कलर घाटों की शोभा बढ़ा रहे हैं। श्रद्धालु, सैलानी और स्थानीय लोग इन मनमोहक दृश्यों को देखकर सहज ही आकर्षित हो रहे हैं।

नावों के साथ उड़ते दिखे पक्षी

सुबह और शाम के समय गंगा में नाव की सैर के दौरान लोग इन प्रवासी पक्षियों को दाना खिलाते नजर आते हैं। दाना मिलते ही ये पक्षी नावों के पीछे-पीछे उड़ते हैं और पानी की सतह पर उतरकर चुगते दिखाई देते हैं। यह दृश्य पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बन गया है, जिसे लोग अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर रहे हैं।

पक्षी विशेषज्ञों और पर्यावरण प्रेमियों का मानना है कि साइबेरियन पक्षियों की बढ़ती संख्या यह दशार्ती है कि गंगा घाटों का पर्यावरण इनके लिए अब भी अनुकूल है। यह जैव विविधता और प्राकृतिक संतुलन के लिहाज से एक अच्छा संकेत माना जा रहा है।

विशेषज्ञों ने यह भी कहा है कि पक्षियों को दाना खिलाते समय सावधानी बरती जानी चाहिए, ताकि उनके प्राकृतिक आहार और व्यवहार पर असर न पड़े। घाटों पर शोरगुल और प्लास्टिक कचरे से बचाव जरूरी है, जिससे प्रवासी पक्षी सुरक्षित और शांत वातावरण में अपना प्रवास पूरा कर सकें। काशी के घाटों पर साइबेरियन पक्षियों की यह मौजूदगी न केवल शहर की सुंदरता बढ़ा रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के महत्व को भी उजागर कर रही है।

ताश की 52 पत्तियों पर एमवीए सरकार के 52 घोटाले

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में बनी शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) के गठबंधन वाली महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के कार्यकाल में हुए कथित घोटालों को लेकर एक अनोखा प्रयोग सामने आया है। ताश की 52 पत्तियों पर एमवीए सरकार के 52 कथित घोटालों को दशार्ती मराठी भाषा में छपी ताश की गड्डी इन दिनों बाजार में खूब चर्चा में है। बताया जा रहा है कि इस ताश की गड्डी के कवर पर लिखा है 'ही गादी खानदानी नाही' और हर पत्ती पर एक-एक कथित घोटाले का उल्लेख किया गया है। घोटालों के शीर्षक, संक्षिप्त विवरण और संबंधित विभागों का जिक्र मराठी भाषा में किया गया है, जिससे आम लोगों तक यह संदेश सरल और रोचक तरीके से पहुंचे। राजनीतिक व्यंग्य के रूप में तैयार की गई यह ताश की गड्डी लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। बाजार सूत्रों के अनुसार, यह ताश की गड्डी स्थानीय दुकानों और स्टाल्स पर उपलब्ध है और इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। खासकर राजनीतिक रूप से जागरूक वर्ग और युवाओं में इसे लेकर खास उत्साह देखा जा रहा है। कई लोग इसे केवल खेल के साधन के रूप में नहीं, बल्कि राजनीतिक टिप्पणी और विरोध के प्रतीक के रूप में भी देख रहे हैं। इस अनोखी ताश की गड्डी को लेकर राजनीतिक हलकों में भी हलचल देखी जा रही है। इसे सत्ता के दौरान उठे विवादों और आरोपों को प्रतीकात्मक रूप से प्रस्तुत करने वाला प्रयोग माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि इस तरह के प्रयोग चुनावी माहौल में राजनीतिक विमर्श को नए अंदाज में सामने लाते हैं और आम जनता के बीच चर्चा का विषय बन जाते हैं।

मणिपाल हॉस्पिटल्स ने एम्बुलेंस नायकों और उनके परिवारों को किया सम्मानित

मुंबई /कोलकाता। हर जीवन की रक्षा समय के साथ एक दौड़ से शुरू होती है–और इस दौड़ के केंद्र में होते हैं एम्बुलेंस चालक, जो अफरा-तफरी, अनिश्चितता और अत्यावश्यक परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाते हुए उम्मीद लेकर पहुँचते हैं। इन अनसुने नायकों और उनके परिवारों के समर्पण को सम्मान देने के लिए, मणिपाल हॉस्पिटल्स कोलकाता ने विश्व एम्बुलेंस दिवस के अवसर पर 'Salute the Real Heroes Family' नामक एक भावनात्मक पहल का आयोजन किया। इस अवसर पर उपस्थित थे डॉ. किशोन गोयल, कंसल्टेंट एवं हेड-इमरजेंसी, मणिपाल हॉस्पिटल ब्रॉडवे, कोलकाता, डॉ. इंद्रनील दास, सीनियर कंसल्टेंट एवं इंचार्ज-इमरजेंसी मेडिसिन, मणिपाल हॉस्पिटल ईएम बाइपास; डॉ. सौरव दास, कंसल्टेंट-इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल ईएम बाइपास, डॉ. सुजय दास ठाकुर, कंसल्टेंट एवं इंचार्ज-इमरजेंसी मेडिसिन, मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर, डॉ. सुभाषिश देब, कंसल्टेंट-कार्डियोलॉजिस्ट, मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर, डॉ. ओसामा अशफाक, कंसल्टेंट-इमरजेंसी मेडिसिन, मणिपाल हॉस्पिटल ढाकुरिया; प्रो. (डॉ.) राखी सान्याल दत्ता शर्मा, सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, मणिपाल हॉस्पिटल ब्रॉडवे, सहित कई अन्य प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं विशेषज्ञ।

कार्यक्रम की शुरुआत गर्मजोशी भरे स्वागत और औपचारिक परिचय के साथ हुई। इसके बाद एम्बुलेंस चालकों और उनके परिवारों के लिए विशेष रूप से तैयार वेलनेस प्लान और प्रिविलेज कार्ड का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात एक सम्मान समारोह में उत्कृष्ट सेवा और अटूट प्रतिबद्धता के लिए चयनित एम्बुलेंस चालकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मणिपाल हॉस्पिटल्स के चिकित्सकों द्वारा संचालित बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए गए, जिससे चालकों को महत्वपूर्ण जीवनरक्षक कौशल प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त, मणिपाल हॉस्पिटल्स की स्वास्थ्य सेवाओं पर एक जानकारीपूर्ण सत्र के माध्यम से आपातकालीन देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई। इसके बाद एक एम्बुलेंस रैली को हरी झंडी दिखाई गई, जो गति, तत्परता और जीवनरक्षा की तात्कालिकता का प्रतीक थी।

इस अवसर पर डॉ. किशन गोयल ने कहा, आपात स्थितियों में एम्बुलेंस चालक अक्सर मरीज के पहले चिकित्सकीय संपर्क होते हैं। उनकी शांत उपस्थिति और त्वरित प्रतिक्रिया प्रतिदिन अनगिनत जानें बचाती है। इस पहल के माध्यम से हम उनके योगदान को मान्यता देना चाहते हैं और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पुनः रेखांकित करना चाहते हैं।

इंदौर स्थित विश्वकर्मा नगर में हिंदू सम्मेलन 11 को

-प्रणीत एन तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश इंदौर विश्वकर्मा नगर में हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति माता मंदिर बस्ती द्वारा समाज में मिलन सारिता और स्वाभिमान को सार्थक करने हेतु हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। हिंदू सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य अपनी पवित्र मातृभूमि को पुनः विश्व गुरु बनाने हेतु सभी हिंदुओं को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए सभी की भागीदारी और सहयोग आवश्यक है जाति वर्ग क्षेत्र आदि सभी मतभेद भुलाकर एक साथ आना होगा यह आयोजन दिनांक 11 जनवरी 2026 दिन रविवार को समय प्रातः 11 से 2:00 बजे स्थान विश्वेश्वर महादेव उद्यान विश्वकर्मा नगर इंदौर में आयोजित किया गया है। हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति के संयोजक प्रवीणजी तिवारी, पूनम चंद चौधरी, सचिन गुप्ता, अज्ञेय यादव के सहयोग से हो रहा है इसका मुख्य उद्देश्य हिंदुओं को एकता अखंडता बनाए रखने, और भारत को विश्व गुरु बनाने हेतु रखा गया है। हिंदुओं की चेतना की अलख जगाने का कार्य किया जाएगा। अतः सभी लोगों से प्रार्थना है, कि ठीक समय पर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

डॉक्टर हेमंत सांवरा ने राजस्थानी समाज की चुनावी बैठक में की शिरकत

वसई रोड। राजस्थानी समाज संस्था की ओर से वसई ईस्ट स्थित एवरशाइन परिसर में एक स्नेहमिलन समारोह एवं लंच प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शामिल होना आयोजकों और अतिथियों दोनों के लिए सम्मान की बात रही।

इस अवसर पर पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत सांवरा, वसईविरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव प्रभारी श्रीमती पूनमताई महाजन, वसईविरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञाताई पाटिल, पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार, पदाधिकारी, सुरेश प्रजापति सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी गणमान्य अतिथियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति से कार्यक्रम में उत्साह और सौहार्द का माहौल देखने को मिला। स्नेहसम्मिलन समारोह आपसी संवाद, संगठनात्मक मजबूती और सामाजिक एकता के संदेश के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय समाज पार्टी-कांग्रेस की संयुक्त प्रत्याशी कुमारी प्रतीक्षा किशोर जाधव की भव्य पदयात्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वार्ड क्रमांक 133 से राष्ट्रीय समाज पार्टी-कांग्रेस की संयुक्त प्रत्याशी कुमारी प्रतीक्षा किशोर जाधव के समर्थन में आज एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा में राष्ट्रीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री महादेव जानकर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पदयात्रा के दौरान क्षेत्र की जनता का उत्साह देखने लायक था। बड़ी संख्या में नागरिकों ने पदयात्रा में भाग लिया और राष्ट्रीय समाज पार्टी की प्रत्याशी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर और नारों के माध्यम से कुमारी प्रतीक्षा किशोर जाधव का स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए महादेव जानकर ने कहा कि कुमारी प्रतीक्षा किशोर जाधव एक शिक्षित, कर्मठ और जनसेवा के प्रति समर्पित युवा नेतृत्व हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे विकास, सामाजिक न्याय और समानता के लिए राष्ट्रीय समाज पार्टीझकांग्रेस की संयुक्त प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाएं। जनसभा में स्थानीय नागरिकों, युवाओं, महिलाओं एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति रही। लोगों का उत्साह यह दर्शाता है कि वार्ड क्रमांक 133 में राष्ट्रीय समाज पार्टीझकांग्रेस गठबंधन को मजबूत समर्थन मिल रहा है। इस संपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी शीला रामलाल यादव द्वारा दी गई।

विशाखापत्तनम में बिम्सटेक देशों के कैंसर केयर विशेषज्ञों की ट्रेनिंग शुरू

विशाखापत्तनम। बिम्सटेक देशों के लिए विशेषीकृत कैंसर केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे चरण का औपचारिक शुभारंभ यहां टाटा मेमोरियल सेंटर के होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में किया गया। विदेश मंत्रालय के सहयोग से आयोजित इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बिम्सटेक देशों के 35 कैंसर केयर विशेषज्ञों को ट्रेनिंग दी जाएगी। यह कदम भारत की क्षेत्रीय स्वास्थ्य क्षमता निर्माण में बढ़ती भूमिका को दशार्ता है।

कार्यक्रम का उद्घाटन 5 जनवरी को विदेश मंत्रालय में बिम्सटेक एवं सार्क मामलों के संयुक्त सचिव सी. एस. आर. राम द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड और नेपाल सहित बिम्सटेक सदस्य देशों के कैंसर-केयर पेशेवर भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कैंसर के बढ़ते मामलों और गुणवत्तापूर्ण उपचार तक असमान पहुंच को देखते हुए कौशल विकास और संस्थागत क्षमता निर्माण अत्यंत आवश्यक हो गया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इस क्षेत्र में क्षमता निर्माण की दिशा में विदेश मंत्रालय की इस पहल की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में की थी। यह चार हफ्ते का ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन्को-पैथोलॉजी, ऑन्को-नर्सिंग, पैलिएटिव मेडिसिन, प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी में कैंसर देखभाल के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर केंद्रित है और इसमें अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक और थेराप्यूटिक तकनीकों पर एडवांस्ड हैंड्स-ऑन वर्कशॉप शामिल हैं। इस कार्यक्रम में बिम्सटेक देशों के कुल 35 कैंसर देखभाल विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

यह पहल बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में कैंसर देखभाल सेवाओं को सुदृढ़ करने और संरचित प्रशिक्षण व सहयोग के माध्यम से ऑन्कोलॉजी क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। भारत की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और महासागर नीतियों के अनुरूप यह पहल बिम्सटेक देशों के बीच स्वास्थ्य सहयोग को और मजबूत करेगी।

फिरोज अहमद महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष के पद पर नियुक्त

मुंबई। आल इण्डिया गूजर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी मजाहिर राणा की संस्तुति से फिरोज अहमद को महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। समाज के सभी लोगो को आशा ही नही पूर्ण विश्वास है कि आल इण्डिया गूजर महासभा की नीतियों का प्रचार प्रसार करेंगे। नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि वे जल्द ही प्रदेश व जिला कमेटी नियुक्त करने व आल इंडिया गूजर महासभा की नीतियों को समाज के जन जन तक पहुँचाने का कार्यक्रम बनाएंगे।उत्तर प्रदेश गूजर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री नसीम गुजर व महा मंत्री श्री शकील अहमद गूजर, जिला जौनपुर के अध्यक्ष साजिद अलीम आदि ने नव नियुक्त महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष फिरोज अहमद की नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी है।

प्रभाग क्रमांक-3 में राजू विश्वकर्मा बने मतदाताओं की पहली पसंद

राजू विश्वकर्मा के दो दशकों के समाजकार्य को मिल रहा है जबरदस्त प्रतिसाद

-उदयभान गुप्ता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव की प्रचार अब अपने चरम पर है। सभी प्रत्याशी मतदाताओं को वादों का सपने दिखाकर अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रभाग क्रमांक-3 में भी भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट, उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट, बहुजन विकास आघाड़ी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार अपने अपने भाग्य को आजमा रहे हैं। परंतु प्रभाग क्रमांक 3 में सिर्फ राजू विश्वकर्मा को छोड़कर ज्यादातर प्रत्याशी बाहर से मतदाताओं के ऊपर थोपे गए हैं। प्रभाग क्रमांक-3 के राजू विश्वकर्मा पिछले 20 वर्षों से क्षेत्र की समस्याओं जैसे पानी, सड़क, गटर, नाली, स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा के लिए संघर्ष करते चले आ रहे हैं। शताब्दी का जब सबसे भयंकर

महामारी कोरोना आया तो राजू विश्वकर्मा ने निस्वार्थ भाव से कोरोना मरीजों, मनपा के डॉक्टरों, नर्सों, कर्मचारियों, अधिकारियों को एक महीने तक निशुल्क भोजन एवं नाश्ता कराया जब कोरोना काल में स्कूल बंद होने के बावजूद भी प्राइवेट स्कूल वालों ने जब फीस वसूली करने लगे तब अपनी जान की परवाह किए बिना 16 दिनों तक आमरण अनशन पर बैठे रहे जब तक कि प्राइवेट स्कूल वालों ने 45% फीस माफ नहीं कर दिया। राजू विश्वकर्मा सभी बच्चों को समान शिक्षा का अधिकार मिले इसके लिए दूसरी बार 13 दिनों तक आमरण अनशन किया। क्षेत्र से और जमीन से जुड़े होने का क्षेत्र के लोग अपनी समस्याओं को राजू विश्वकर्मा को बताते हैं। और राजू विश्वकर्मा सभी की समस्याओं का समाधान करते हैं। वहीं पर अन्य पार्टियों के लोग बाहर से आए हैं। वे यहां के लिए कुछ नहीं किया। और ना कुछ करेंगे। सिर्फ वोट लेकर मतदाताओं को उनके हाल पर छोड़ देंगे। इसलिए बाहर से आने वाले मतदाताओं पर विश्वास न करके क्षेत्र की मतदाता की पहली पसंद राजू विश्वकर्मा बने हुए हैं। राजू विश्वकर्मा प्रभाग क्रमांक 3 के (ड) वर्ग में पहले नंबर पर आते हैं। जिनके सामने भाजपा के तरुण शर्मा, एकनाथ शिंदे गुट के वेतोस्कर शंकर लक्ष्मण, एनसीपी के ललिता बिष्ट, बहुजन विकास आघाडी से आशीष मंगला प्रसाद शर्मा चुनाव मैदान में है। परंतु प्रभाग क्रमांक-3 के (ड)वर्ग में राजू विश्वकर्मा के हुंकार के आगे सभी प्रत्याशियों की हालत पतली नजर आ रही है। उपरोक्त सभी प्रत्याशियों को देखा जाए तो राजू घुरहू विश्वकर्मा की विजय की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है। लेकिन कौन बाजी मारेगा यह तो आने वाले 16 जनवरी को ही पता चलेगा।

पीएनबी ने खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए दिल्ली में नवीकृत हॉकी अकादमी का उद्घाटन किया

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने आज दिल्ली में अपने हॉकी अकादमी के नवीकृत स्वरूप का उद्घाटन किया। यह कदम देश में हॉकी को बढ़ावा देने और खेल प्रतिभाओं को निखारने के प्रति बैंक की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को फिर से पुष्ट करता है। पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र ने मुखर्जी नगर स्थित इस नई अकादमी का उद्घाटन बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों, वरिष्ठ हॉकी टीम के कोच और खिलाड़ियों की उपस्थिति में किया। पीएनबी की हॉकी अकादमी प्रीमियम सुविधाओं से लैस एक आधुनिक मंच है जो (14 से 17 वर्ष की आयु के) 25 खिलाड़ियों को चिन्हित कर उन्हें प्रशिक्षित कर हॉकी के क्षेत्र में सफल करियर बनाने में सहयोग करने के लिए समर्पित है। बैंक इन युवा एथलीटों को आवास, शिक्षा, पेशेवर कोचिंग और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर समग्र सहयोग उपलब्ध कराता है ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके और वे हॉकी में एक सफल करियर बना सकें। बैंक की इस प्रतिबद्धता की सफलता को रेखांकित करते हुए, पीएनबी के दो सम्मानित कार्मिकों और भारतीय हॉकी टीम के प्रमुख फॉरवर्ड खिलाड़ी अभिषेक और श्री सुखजीत सिंह जो ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता हैं, ने हाल ही में एशिया कप 2025 में भारत का मान बढ़ाया है। वर्तमान में, लवप्रीत सिंह, संजय और इंदरपाल सिंह जैसे खिलाड़ी, जो पीएनबी हॉकी अकादमी से निकले हैं, वे पीएनबी की हॉकी टीम के सम्मानित सदस्य हैं।

मूड इंडिगो में कैंटाबिल की दमदार मौजूदगी

मुंबई। भारत के अग्रणी परिधान ब्रांड्स में से एक, कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित एशिया के सबसे बड़े कॉलेजिएट सांस्कृतिक महोत्सव ह्यमूड इंडिगो के लिए आधिकारिक शॉपिंग पार्टनर के रूप में अपनी सहभागिता सफलतापूर्वक पूरी की। यह साझेदारी युवाओं के बीच कैंटाबिल की ब्रांड जागरूकता और रिकॉल को मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा रही, जिसमें ब्रांड ने पूरे फेस्टिवल परिसर में हाई-विज़िबिलिटी और इमर्सिव उपस्थिति दर्ज कराई। कैंटाबिल ने आईआईटी बॉम्बे कैंपस में रणनीतिक रूप से पांच स्टॉल लगाए, जिन्हें आकर्षक और इंटरएक्टिव ब्रांड जोन्स में तब्दील किया गया। मिनी फैशन जोन्स के रूप में डिजाइन किए गए इन स्टॉल्स में कैंटाबिल के नवीनतम पुरुष और महिला परिधान कलेक्शंस प्रदर्शित किए गए, जिससे छात्रों को ब्रांड की आधुनिक स्टाइलिंग, बहुआयामी उपयोगिता और गुणवत्ता को करीब से अनुभव करने का अवसर मिला। कई टचपॉइंट्स के माध्यम से फेस्टिवल के दौरान लगातार ब्रांड की दृश्यता बनी रही और कैंटाबिल प्रतिभागियों के बीच टॉप-ऑफ-द-माइंड बना रहा। एंगेजमेंट को और गहरा बनाने तथा यादगार ब्रांड अनुभव रचने के उद्देश्य से, कैंटाबिल ने इंटरएक्टिव गेम्स, सेल्फी जोन्स और मजेदार गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रभाग 15 क में भाजपा प्रत्याशी योगेश सुरेशप्रसाद सिंह के पक्ष में जन समर्थन की आंधी

-लाल शेखर सिंह

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई विरार महानगर पालिका चुनाव में इस बार प्र भाग 15 ।क से भारतीय जनता पार्टी ने योगेश सुरेश प्रसाद सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है।योगेश सुरेश प्रसाद की समाज की सेवा और जिम्मेदारी एवं पार्टी निष्ठा के परिणाम स्वरूप भारतीय जनता पार्टी ने इन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है। योगेश सुरेश प्रसाद एक प्रतिष्ठित परिवार से आते हैं। क्षेत्र की जनता के बीच इनकी बड़ी लोकप्रियता है। योगेश सिंह को प्रचार के दौरान जनता का भारी प्रतिसाद मिलने से उनकी जीत सुनिश्चित है। जनसमर्थन की इस आंधी को देखते हुए लगता है कि वार्ड 15- क में मतदाताओं ने पूरी तरह से योगेश सिंह को विजय दिलाने का मूड बना चुकी है। वैसे तो सूत्रों से पता चला है कि प्रभाग 15 कि भाजपा सीट बिल्कुल पक्की मानी जा रही है। योगेश सिंह जनता को सदैव से जनार्दन ही समझते है। कोई भी रात दिन चाहे जब भी याद किया है तो तुरन्त हर प्रकार से हर संभव मदद करते है। भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं में इनका नाम अग्रणी पंक्तियों में आता है, भाजपा के शुमार नेताओं में इनका नाम लिया जाता हैं। सरल सहज मृदुभाषी स्वभाव के कारण सभी समाज सभी वर्गों में इनकी लोकप्रियता है। लोग इन्हें दिलो जान से चाहते है। सूत्रों से पता चला है कि इस बार मनपा महापौर भाजपा का हि बैठने वाला है। यदि ऐसा हुआ तो योगेश सिंह को जरूर कोई बड़ी जबाव दारी का पद मिलेगा इस तरह का कयास वार्ड क्रमांक 15 कि जनता लगा रही हैं।

घर में घुसकर मारपीट एवं तोड़–फोड़ करने वाले 20 आरोपितों पर मुकदमा दर्ज

- रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के लाइन बाजार थाना के शाहगंज हाइवे किनारे लखनपुर क्षेत्र स्थित एक घर में घुसकर मारपीट व तोड़–फोड़ करने के 20 आरोपितों पर लाइन बाजार थाना पुलिस नें मंगलवार को मुकदमा दर्ज कर लिया। 20 आरोपितों में 10 नामजद व 10 अज्ञात हैं। शीतला चौकिया चौकी प्रभारी कृष्णानंद यादव मामले की जाँच भी शुरू कर दिये हैं।

बता दें कि लखनपुर निवासी अंजली जायसवाल पत्नी सोनू जायसवाल ने थाना पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि रंजिश को लेकर बीते 4 जनवरी को जेठ प्रेमचन्द्र जायसवाल जेठानी दीपा जायसवाल, वन्दना जायसवाल, संजय जायसवाल, युवराज, चिक्की मौर्य, विशाल मौर्य, चहेटू यादव, रमेश बिन्द, मनीष सहित दस अज्ञात व्यक्ति घर में घुसकर लाठी–डण्डे से हमला कर दिये। हमले में ससुर चन्द्रभान जायसवाल एवं पति सोनू जायसवाल को चोटें आयीं। घर में झाड़ू–पोछा व रसोई का काम करने वाली चांदनी सरोज व मनीषा यादव बीच–बचाव करने आयी तो उनको भी मारपीट कर-के घायल कर दिया गया।पीड़िता के अनुसार इस दौरान घर में तोड़–फोड़ करते हुये लगा सीसीटीवी कैमरा, दरवाजा, दीवाल, छत आदि सब कुछ क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पीआरवी पुलिस को सूचना देने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गयी है। थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर 10 नामजद और 10 अज्ञात आरोपितों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दिया है।

आये दिन पत्नी से विवाद होने के कारण ,पति ने लगाया फांसी हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के चिलबिली गांव में मंगलवार देर रात एक युवक का शव उसके ही कमरे में दुपट्टे के सहारे लटकता मिला। मृतक की मां कमरे में भोजन लेकर पहुंची तो पुत्र का शव देखकर उसकी चीख निकल गई। घटना का कारण पत्नी से आए दिन होने वाला विवाद बताया जा रहा है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। गांव की अनुसूचित बस्ती निवासी राम सेवक (28) का पत्नी से काफी दिनों से विवाद चल रहा था और इस बीच वह मायके चली गई थी। मंगलवार को भी राम सेवक का पत्नी शशिप्रभा से फोन पर काफी वाद-विवाद हुआ। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया और जब देर रात तक बाहर नहीं निकला तो उनकी मां रमरत्ती देवी भोजन लेकर कमरे में गईं। किंतु वहां अंदर का नजारा देख उनकी चीख निकल गई। राम सेवक का शव कच्चे मकान के कमरे में लगी बल्ली से दुपट्टे के सहारे लटक रहा था। रमरत्ती ने शोर मचाया तो परिवार के अन्य सदस्यों सहित पड़ोस के लोग भी जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई। मृतक के दो पुत्र क्रमशः उत्कर्ष (7) व अभी (4) हैं। वह चार भाइयों में सबसे छोटा था। अन्य सभी भाई अलग-अलग रहते हैं।